दैनिक भारतीय बस्ती

होली की हार्दिक शुभकामनाएं

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :45 अंक 244 सोमवार 25 मार्च 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

दैनिक भारतीय बस्ती के पाठकों, शुभेच्छुओं, विज्ञापनदाताओं, वितरकों के साथ ही जन–जन को रंगों के पर्व होली की ढेरों मंगलकामना–

– सम्पादक

सूचना

होली के अवसर पर दैनिक भारतीय बस्ती प्रेस एवं कार्यालय 25 एवं 26 मार्च को बंद रहेगा। आगामी अंक 28 मार्च को प्रकाशित होगा।

– व्यवस्थापक

एक नजर

बूथ प्रबंधन में जुटी भाजपा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। लोकसभा चुनाव की घोषणा होते ही भाजपा ने बूथ पर संगठन को दुरुस्त करने के लिए इस बार नई रणनीति अपनाई है। बस्ती सदर विधानसभा के पांच मंडलों की बैठक में पहले सत्र की बैठक जिगना चौराहे पर साऊँघाट मुन्देरवा और सदर मण्डल तथा दूसरे सत्र में मालवीय रोड लोकसभा चुनाव कार्यालय पर गनेशपुर व बस्ती नगर मण्डल की बैठक संपन्न हुई। बैठक में मतदाताओं को जागरूक करने एवं मतदान 100 प्रतिशत कराये जाने हेतु प्रयास करने पर चर्चा की गई। चुनाव प्रबन्धन समिति के मीडिया प्रभारी अमृत कुमार वर्मा ने बताया की करीब तीन घंटे तक चली इस बैठक में जिलाध्यक्ष ने एक–एक करके सभी शक्ति केन्द्र संयोजक व बूथ अध्यक्षों से उनके इलाके में भाजपा की योजनाओं की प्रगति पूछी और कमजोर कार्य करने वाले अध्यक्षों पर नाराजगी भी व्यक्त की। संघ और भाजपा के बीच महत्वपूर्ण कड़ी हैं और उन्हें पार्टी के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए पर्दे के पीछे से अधिकांश योजना बनाने की जिम्मेदारी है।

छात्र छात्राओ का परिचात्मक भ्रमण टीम रवाना

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

पौली (संतकबीरनगर)। पौली विकास क्षेत्र के पूर्व माध्यमिक विद्यालय शनिचरा बाजार के परिसर में राष्ट्रीय अविष्कार अभियान के तहत विज्ञान प्रतियोगिता में चयनित उच्च प्राथमिक विद्यालय के छात्र–छात्राओं को एक दिवसीय ब्लाक स्तरीय परिचयात्मक भ्रमण के तहत गोरखपुर, कबीर स्थली व बौद्ध विहार का भ्रमण कराया गया। जिसमे शिक्षको ने बच्चो के बौद्धिक विकास हेतु महत्व के बारे मे बताया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि खण्ड शिक्षाधिकारी अर्जुन प्रसाद वर्मा ने भ्रमण वाहन को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया। उहोंने कहा कि भ्रमण कार्यक्रम से बच्चों के मानसिक व बौद्धिक विकास के साथ साथ बच्चों में जिज्ञासा आधारित शिक्षा को बढ़ावा मिलेगा। विज्ञप्त प्रतियोगिता से चयनित सौ बच्चे भ्रमण हेतु जा रहे है। इनके नास्ता व भोजन की व्यवस्था साथ मे है। इनके देख रेख के लिए शिक्षको को भी लगाया गया है। साथ ने विषय विशेषज्ञ शिक्षक भी लगे है जो बच्चो को महत्व व उपलब्धियों के बारे मे बताएगें। इस भ्रमण से बच्चों को कुछ नया सीखने का अवसर मिलेगा।

भ्रमण टीम मे प्राथमिक शिक्षक संघ के ब्लाक अध्यक्ष उदय प्रताप यादव, एआरपी हरीराम यादव, राजेश गुप्ता, दिलीप कुमार, भोलेंद्र, विद्यासागर, कौशलेंद्र, नरेंद्र, राम लखन, उमाशंकर द्विवेदी, मधुकर, भगवत प्रसाद, रामकरन, अनिल कुमार, कमलेश सिंह चौहान, उर्मिला देवी, धर्म ज्योति व माया रही।

राजन साहनी, सचिन, दिव्यांश यादव, नीलम, शिखा, अखिलेश, निहारिका, अंशिका, सिमरन, रघुनाथ, पिंकी, राजन, ज्योति, सोनी, नीरज, रंजना सिंह, श्रीनाथ, कृष्णा, अविनाश, मोहम्मद रेहान, गोविंद, निशा, हिना, काजल, पुष्पराज, सक्षम, गल्लवी, रितेश, अखिलेश, रितु, संध्या, खुशी, संजू, सहित तमाम छात्र–छात्राएं भ्रमण टीम में रही।

लोकतंत्र बचाने के लिये रामलीला मैदान में विपक्ष की महा रैली 31 को

नई दिल्ली (आभा)। शराब घोटाला मामला में कोर्ट से राहत न मिलने के बाद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को छह दिन की रिमांड पर भेज दिया गया। केजरीवाल की गिरफ्तारी के खिलाफ आम आदमी पार्टी सड़क पर उतर गई है। दिल्ली कांग्रेस चीफ अरविंदर सिंह लवली ने कहा, 31 मार्च को इण्डिया गठबंधन दिल्ली में एक बड़ी रैली करेगा, इसे इण्डिया गठबंधन के प्रमुख नेता रैली को संबोधित करेंगे। ये रैली सिर्फ राजनीतिक रैली नहीं होगी, यह रैली भारत के लोकतंत्र को बचाने की लड़ाई का आह्वान होगा।

दिल्ली की मंत्री और आप नेता आतिशी ने कहा, यह रैली अरविंद

केजरीवाल को बचाने के लिए नहीं बल्कि लोकतंत्र को बचाने के लिए आयोजित किया जा रहा है। विपक्ष को एकतरफा हमलों का सामना करना पड़ रहा है। दिल्ली की जल मंत्री आतिशी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया और जल विभाग के लिए दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल द्वारा भेजे गए आदेश को पढ़ा। आतिशी ने कहा, 'ऐसी स्थिति में भी वह अपने बारे में नहीं, बल्कि दिल्ली की जनता और उनकी समस्याओं के बारे में सोच रहे हैं।'केजरीवाल ने कहा, 'मुझे पता चला है कि दिल्ली के कुछ इलाकों में पानी और सीवर की काफी समस्याएं हो रही है। इसे लेकर मैं चिंतित हूं। चूंकि मैं जेल में हूं, इस वजह से लोगों को जरा भी तकलीफ नहीं होनी चाहिए। गर्मियां भी आ रही हैं। जहां पानी की कमी है, वहां उचित संख्या में टैंकरों का इंतजाम कीजिए।

दिल्ली के मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा, 'चुनावी बांड के पीछे छिपकर भाजपा ने तथाकथित उत्पाद शुल्क नीति मामले के सबसे बड़े सरगना शरद चंद्र रेड्डी से लगभग 60 करोड़ रुपये लिए। यह कोई आरोप नहीं है, यह सच्चाई है और हमने सबूत दिखाए हैं। शरद चंद्र रेड्डी की गिरफ्तारी के बाद भाजपा ने 55 करोड़ रुपये का यह चंदा लिया। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा, 'जो भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाने, नैतिकता की बात करते थे, वे अनैतिक कार्य करते रहे। आज जेल से सरकार चला रहे हैं। देश की जनता को अरविंद केजरीवाल का असली चेहरा, उनकी भ्रष्ट सोच दिख गई। जिसके सांसद से लेकर मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री जेल में हों वे कैसी सरकार चलाते होंगे। दिल्ली की जनता ठगा हुआ महसूस कर रही है और ठगी करने वाले जेल से सरकार चला रहे हैं।

उदयभान भाजपा छोड़ बसपा में शामिल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भारतीय जनता पार्टी नेता उदयभान रविवार को समर्थकों के साथ पुनः बहुजन समाज पार्टी में शामिल हो गये। लखनऊ में उन्होने पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष सुश्री मायावती के समक्ष की सदस्यता ग्रहण। उन्हें बस्ती मण्डल के मुख्य कोआर्डिनेटर का दायित्व सौंपा गया है।

उदयभान ने प्रेस को बताया कि बसपा छोड़ भाजपा में जाना उनकी बड़ी राजनीतिक भूल थी। अब वे पुनः अपने घर में वापस आ गये है। लोकसभा के चुनाव में बसपा की जीत के लिये वे पूरी ताकत झोंक देंगे। उदयभान के बसपा में शामिल होने पर मुख्य रूप से बसपा जिलाध्यक्ष जयहिन्द गौतम, पूर्व विधायक भगदानदास, पूर्व एमएलसी लालचंद निषाद, मण्डल कोआर्डिनेटर राम सूरत चौधरी, पूर्व मंत्री संजय धूसिया, कल्पनाथ बाबू, के.के. गौतम के साथ ही पार्टी के अनेक नेताओं, कार्यकर्ताओं ने प्रसन्नता व्यक्त किया है।

मिथिला में राम खेले होरी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। पं0 ज्वाला प्रसाद संगीत सेवा संस्थान के बच्चों द्वारा आज रंगों का उत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर संगीत शिक्षक राजेश आर्य, प्रबंधक विनोद उपाध्याय, सचिव संतोष श्रीवास्तव, शिक्षिका ज्योति कुमारी ने बताया कि भारतीय संस्कृति में होली का त्यौहार फागुन मास की पूर्णिमा को मनाया जाता है। भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति में होली का त्यौहार प्रमुख त्यौहार हैं। इस अवसर पर हम सभी लोग अपने गिले शिकवे भूलकर एक दूसरे को रंग लगाकर गले लगाते हैं और आपस में खुशियों का इजहार करते हैं।

पं0 ज्वाला प्रसाद संगीत सेवा संस्थान द्वारा आयोजित इस रंगोत्सव का कार्यक्रम सरस्वती वंदना से प्रारम्भ हुआ। इसके बाद राग काफी को सृष्टि वर्मा, नीलू नव्या, शशि, अंशिका, अपर्णा, अन्वी, अन्जलि, पंखुड़ी मिश्र, स्वरिशा, पंकज, शैलेष, आदर्श, रणविजय, प्रमोद, सदरे आलम, विकास, आशुतोष, सुधाकर, आशीष स्वरांग, भानु प्रकाश चौबे ने प्रस्तुत कर सबका मन मोह लिया।

इसके बाद बच्चों ने होली गीत 'मिथिला में राम खेले होरी', 'सखी होरी खेलन नहिं जाऊ', 'बम भोले हो लाल कहां रंगऊला पागड़िया', 'अवध नगरिया छायी रे बहारिया', इसके बाद ज्योति कुमारी, आदित्य ने भी होली गीत प्रस्तुत किया और अंत में स्वरिशा और स्वरांग ने राग भीम प्रस्तुत कर कार्यक्रम को नई ऊँचाई प्रदान की।

बसपा ने घोषित किये 16 प्रत्याशी

लखनऊ (आभा)। लोकसभा चुनाव को लेकर सभी राजनीतिक दल अपने–अपने उम्मीदवारों के नाम फाइनल करने में जुट गए हैं। रविवार को बसपा ने 16 उम्मीदवारों की अपनी पहली लिस्ट जारी की थी। शाम होते ही बसपा ने दूसरी लिस्ट भी जारी कर दी है। इस लिस्ट में बसपा ने नौ प्रत्याशियों के नामों की घोषणा की है। बसपा ने हाथरस से हेमबाबू धनगर, मथुरा से कमल कांत उपमन्यू, आगरा से पूजा अमरोही, फतेहपुर सीकरी से राम निवास शर्मा, फिरोजाबाद से सतेंद्र जैन सौली, इटावा से सारिका सिंह बघेल, कानपुर से कुलदीप भदौरिया, कानपुर देहात की अकबरपुर सीट से राजेश कुमार द्विवेदी, जालौन से सुरेश चंद्र गौतम को अपना उम्मीदवार बनाया है।

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने आगामी लोकसभा चुनाव के लिए उत्तर प्रदेश की 16 सीट पर अपने उम्मीदवार रविवार सुबह घोषित किए थे। पार्टी द्वारा घोषित उम्मीदवारों की पहली सूची के मुताबिक, सहारनपुर से माजिद अली और कैराना से श्रीपाल सिंह को उम्मीदवार बनाया गया है। इसके अलावा मुजफ्फरनगर से दारा सिंह प्रजापति, बिजनौर से विजेंद्र सिंह, नगीना (आरक्षित) सीट से सुरेंद्र पाल सिंह, मुरादाबाद से मोहम्मद इरफान सैफी, रामपुर से जीशान खां, संभल से सौलत अली, अमरोहा से मुजाहिद हुसैन, मेरठ से देववृत्त त्यागी और बागपत से प्रवीण बंसल को बसपा का टिकट दिया गया है।

पार्टी ने गौतम बुद्ध नगर से राजेंद्र सिंह सोलंकी, बुलंदशहर (आरक्षित) सीट से गिरीश चंद्र जाटव, आंवला सीट से आबिद अली, पीलीभीत से अनीस अहमद खान उर्फ फूल बाबू तथा शाहजहांपुर (आरक्षित) सीट से डॉक्टर दोदराम वर्मा को प्रत्याशी बनाया है। लोकसभा चुनाव के पहले चरण के तहत उत्तर प्रदेश की सहारनपुर, कैराना, मुजफ्फरनगर, बिजनौर, नगीना, मुरादाबाद, रामपुर और पीलीभीत सीटों के लिए चुनाव होंगे। इसके लिए नामांकन पत्र 27 मार्च तक दाखिल किए जाएंगे, जिनकी जांच 28 मार्च को की जाएगी। नाम वापसी की आखिरी तारीख 30 मार्च होगी और मतदान 19 अप्रैल को होगा।

भाजपा नेताओं की गाड़ियों पर पथराव का आरोप

आजमगढ़ (आभा)। जिले में शनिवार की रात सपा प्रत्याशी धर्मेंद्र यादव के साथ काफिले में आ रहे लोगों पर भाजपा नेता के वाहनों पर पथराव करने का आरोप है। इस मामले में दी गई तहरीर की पुलिस जांच कर रही है। हालांकि इससे पहले शनिवार को ही धर्मेंद्र यादव के साथ फोटो खींचवाने को लेकर सपा कार्यकर्ताओं का गुट आपस में भिड़ गया था। हालांकि सुरक्षाकर्मियों ने बीचबचाव कर दोनों गुटों को अलग किया था।

मेंहनगर थाना क्षेत्र के कटहन गांव निवासी बलराज सिंह भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य हैं। पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह पार्टी के वरिष्ठ नेता देवेंद्र सिंह के यहां शनिवार की रात त्रयोदशाह कार्यक्रम में शामिल होने

सेमा गांव गए थे। रात करीब पौने नौ बजे कार से घर लौट रहे थे। टिल्लूगंज के पास सपा प्रत्याशी धर्मेंद्र यादव का सामने से काफिला आते देख उन्होंने अपनी गाड़ी किनारे खड़ी कर दी। आरोप है कि सपा नेता के काफिले में शामिल लोगों ने उनके दो वाहनों पर पथराव कर दिया। बताया कि उनके साथ बदसलूकी भी की गई। रात में ही उन्होंने घटना की सूचना पुलिस को दी। सिधारी व जहानागंज इंस्पेक्टर फोर्स के साथ मौके पर पहुंच गए। सिधारी इंस्पेक्टर योगेंद्र बहादुर सिंह ने कहा कि भाजपा नेता बलराज की तहरीर मिली है। घटना की जांच की जा रही है।सपा प्रत्याशी धर्मेंद्र यादव सगड़ी विधानसभा क्षेत्र में चुनाव प्रचार कर रहे थे। इसी दौरान महुला डगरा में आयोजित कार्यक्रम में उनके साथ सेल्फी लेने के लिए कार्यकर्ताओं के बीच होड़ लग गई। यह देख कुछ कार्यकर्ता नाराज हो गए और इसका विरोध करने लगे। देखते ही देखते दोनों गुटों में विरोध शुरू हो गया। हालांकि बाकि नेताओं व पुलिस ने बीच–बचाव करते हुए दोनों गुटों को अलग कर दिया।

महुआ मोइत्रा के 4 जगहों पर छापेमारी

कोलकाता (आभा)। तृणमूल कांग्रेस की नेता महुआ मोइत्रा ने पश्चिम बंगाल में उनकी विभिन्न संपत्तियों पर सीबीआई के लगातार 4 छापों को लेकर चुनाव आयोग को पत्र लिखा है। इसमें उन्होंने कहा कि इलेक्शन कमीशन को आदर्श आचार संहिता के दौरान सीबीआई के लिए फ्रेमवर्क तैयार करना चाहिए। मालूम हो कि पैसे लेकर सवाल पूछने के मामले में कोलकाता समेत विभिन्न स्थानों पर मोइत्रा के परिसरों की तलाशी ली। सीबीआई की एक टीम कोलकाता और पश्चिम बंगाल में नदिया जिले के कृष्णानगर स्थित मोइत्रा के आपार्टमेंट में तलाशी ली। सीबीआई अधिकारियों ने अलीपुर इलाके में एक अपार्टमेंट पर छापा मारा, जहां मोइत्रा के पिता दीपेंद्र लाल मोइत्रा कई वर्षों से रह रहे हैं। कृष्णानगर में मोइत्रा की ओर से इस्तेमाल किए गए एक अन्य अपार्टमेंट में भी तलाशी हुई।

महुआ मोइत्रा ने अपने लेटर में लिखा, जिन 4 परिसरों में सीबीआई की ओर से गैनकानूनी रेड हुई उनमें से 2 का इस्तेमाल ऑफिशियल कामों के लिए होता रहा। सीबीआई की सर्च लिस्ट से भी यही बात निकलकर सामने आती है। एक ऑफिस का इस्तेमाल चुनावी कैंपेन को लेकर हुआ और दूसरी तो मेरी ऑफिस है। उन्होंने कहा कि इसलिए इसमें कोई संदेह नहीं है कि सीबीआई ऐसा करके मेरे चुनाव अभियान के प्रयासों को दबाना चाहती है। साथ ही, इस तरह मुझे अवैध तरीके से परेशान किया जा रहा है।

महुआ मोइत्रा ने कहा कि 4 जगहों पर छापेमारी के बावजूद सीबीआई खाली हाथ रह गई। मगर, इस रेड ने मीडिया प्लेटफार्मों पर हंगामा खड़ा कर दिया और इस तरह उनके बीच संदेह पैदा किया गया। टीएमसी लीडर ने लिखा, इयह बताने की जरूरत नहीं है कि सीबीआई के ये ऐक्शन पूरी तरह से अन्यायपूर्ण हैं।

विश्व हिन्दू महासंघ कप्तानगंज का गठन:वरूण अध्यक्ष, संजीव महामंत्री बने

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । रविवार को विश्व हिन्दू महासंघ की बैठक कप्तानगंज के जसईपुर में जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में हिन्दू हितों की रक्षा के साथ ही आगामी लोकसभा चुनाव में महासंघ की भूमिका और रणनीति पर विचार किया गया। संगठन को विस्तार देने के उद्देश्य से कप्तानगंज ब्लाक पदाधिकारियों का चयन कर घोषणा की गई। सर्व सम्मत से वरुण तिवारी ब्लाक अध्यक्ष, विजयपाल सिंह उपाध्यक्ष, संजीव कुमार महामंत्री, रविन्द्रनाथ शर्मा मंत्री, विशाल मीडिया प्रभारी, दुःखी पाण्डेय कोषाध्यक्ष, कमलेश कुमार, शिवकुमार, उमेश गिरी संयोजक, रामजीत चौहान, सुग्रीव चौहान उपाध्यक्ष चुने गये।

महासंघ जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह ने पदाधिकारियों को शपथ दिलाते हुये कहा कि वे पूरी निष्ठा से अपने दायित्वों का पालन करें। कहा कि केन्द्र और उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार ने हिन्दू अस्मिता की रक्षा और सनातन परम्परा को मजबूती देने के लिये सर्वाधिक कार्य किया है। काशी में कारीडोर और श्री अयोध्याधाम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा कर 500 वर्ष पुरानी प्रतीक्षा को पूर्णता दिया। कहा कि बस्ती लोकसभा 61 में घोषित प्रत्याशी हरीश द्विवेदी के समर्थन में महासंघ पदाधिकारी पूरी ताकत झोंक देंगे। कहा कि महासंघ का उद्देश्य स्पष्ट है कि जो हिन्दू हितों की बात करेगा, वही देश पर राज करेगा। इस संकल्प के साथ महासंघ लोकसभा के चुनाव में भाजपा की जीत के लिये पूरी ताकत झोंक देगा।

बैठक में मुख्य रूप से पलटू राम चौहान , प्रदेश मंत्री दिग्विजय सिंह राना , सौरभ तिवारी, बाबा जयप्रकाश दास, अमरजीत सिंह, विपिन सिंह, राजकुमार, मंटू चौधरी, राकेश सिंह, जगत मोहन सिंह बीकू, चंद्रेश पाठक के साथ अनेक पदाधिकारी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

–दायित्वों का निष्ठा से पालन करें पदाधिकारी– अखिलेश सिंह

राइस मिल के पास खड़े ट्रक में लगी आग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। पुरानी बस्ती थानाक्षेत्र के हथियागढ़ में स्थित अमर राइस मिल परिसर में खड़ी ट्रक में शनिवार की देर रात्रि आग लग गई। आग लगने का कारण विद्युत शार्ट शर्किट बताया जा रहा है। कुत्ते की आवाज पर मिल के चौकीदार की नींद खुली तो देखा कि ट्रक केबिन से धुंआ उठ रहा है। ट्रक के केबिन में चालक गहरी नींद में सो रहा था। चौकीदार के शोर मचाने पर ट्रक चालक जगा और ट्रक से कूद कर अपनी जान बचाई।

पुरानी बस्ती थानाक्षेत्र के हथियागढ़ में स्थित अमर राईस मिल के परिसर शनिवार को एक ट्रक खड़ा था। ट्रक चालक सर्वजीत ग्राम जमुरहवा थाना नौतनवा जिला महराजगंज गहरी नींद में केबिन बंद कर सो रहा था। शनिवार की देर रात्रि ट्रक के केबिन में अचानक आग लग गई। मिल के कुत्ते ने जोर से भौंकने लगा तो चौकीदार की नींद टूटी। जलते ट्रक को देखकर ट्रक चालक को जगाया।

चौकीदार यादव ने बताया की वह नहीं जगा होता तो ट्रक चालक की जान जा सकती थी। ड्राइवर के नीचे उतरते ही चौकीदार ने मिल मालिक अमर जायसवाल को फोन कर तत्काल सूचना दी। मिल के पम्प से ट्रक में लगी आग को बुझाता रहा। मिल मालिक ने फायर विग्रेड, डायल 112 व थाना पुरानी बस्ती को घटना की जानकारी दी।

पुलिस व फायर बिग्रेड की गाड़ी ने आग को पूरी तरह से बुझा दिया। चौकीदार यादव ने पम्प के पानी से आग को फैलने नहीं दिया। इधर मिल मालिक की तत्परता से फायर ब्रिग्रेड की गाड़ी पहुंची। ट्रक के केबिन को छोड़कर पुरे ट्रक को बचा लिया गया। आग बुझने के समय

थानाध्यक्ष महेश सिंह, चौकी प्रभारी आशुतोष शुक्ला मय फोर्स डटे रहे।

“मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता”—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 25 मार्च 2024 सोमवार

सम्पादकीय

रंगोत्सव का पर्व होली

ऐसा माना जाता है कि होली मूल रूप से कृषि की सफलता और भरपूर फसल की प्रार्थना के लिए मनाई जाती थी। बाद में, इसे कृष्ण की कथा के भूत भगाने के अनुष्ठानों के साथ जोड़ दिया गया और इसके वर्तमान स्वरूप में स्थापित किया गया। एक—दूसरे पर रंगीन पाउडर और पानी फेंकने की प्रथा बुरी आत्माओं को दूर करने और उन्हें शुद्ध करने के लिए लोगों के घरों में गंदगी और गंदगी फेंकने की प्रथा से उत्पन्न हुई है। होली की जड़ें प्राचीन भारतीय रीति—रिवाजों और कृषि पद्धतियों में हैं। यह प्रजनन उत्सव, वसंत के आगमन और नए जीवन के खिलने का जश्न मनाने के लिए भी माना जाता है। होली पर, किसान स्वस्थ फसल के लिए अपने शिकार को भगवान को समर्पित करते हैं और अपनी भूमि की उर्वरता सुनिश्चित करने के लिए अनुष्ठान करते हैं। रंग और पानी के साथ होली का उत्सव वसंत के रंगीन खिलने और प्रकृति में जीवन के नवीनीकरण का भी प्रतिनिधित्व करता है।

होली का इतिहास विभिन्न किंवदंतियों और कहानियों के साथ हिंदू पौराणिक कथाओं और परंपरा में गहराई से निहित है। इन सबके बीच, होली से जुड़ी सबसे लोकप्रिय किंवदंतियाँ होलिका और प्रह्लाद की कहानियाँ हैं। होली अलाव या होलिका दहन हिंदू पौराणिक कथाओं से होलिका और प्रह्लाद की कहानी पर आधारित एक उत्सव है। इस उत्सव की शुरुआत बुन्देलखण्ड में झाँसी के एरच से हुई। यह कभी हिरण्यकश्यप की राजधानी हुआ करती थी। इस कथा के अनुसार हिरण्यकशिपु नाम का एक राक्षस राजा था। दैत्यों के राजा ने भगवान ब्रह्मा से वरदान प्राप्त किया। उनका कहना है कि अमरता का वरदान यह है कि वह न तो दिन में मरेंगे और न ही रात में। न तो मनुष्य और न ही जानवर उसे मार सकेंगे। यह वरदान प्राप्त करने के बाद, हिरण्यकश्यप बहुत अहंकारी हो गया और उसने सभी से उसे भगवान के रूप में पूजा करने की मांग की। लेकिन उसके प्रह्लाद का जन्म इसी राक्षस राजा के घर हुआ था। वह अपने पिता के बजाय भगवान विंशु के प्रति समर्पित थे। राजा हिरण्यकश्यप को उसकी भगवान कृष्ण के प्रति भक्ति पसंद नहीं थी। हिरण्यकश्यप ने उसे मरवाने के कई प्रयास किये। फिर भी प्रह्लाद बच गया। अंततः हिरण्यकश्यप ने प्रह्लाद को डिकोली पर्वत से नीचे फेंक दिया। डिकोली पर्वत और वह स्थान जहां प्रह्लाद गिरे थे, आज भी मौजूद हैं। इसका उल्लेख श्रीमद्भागवत पुराण के 9वें स्कंध और झाँसी गजेटियर पृष्ठ 339ए, 357 में मिलता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, अपने बेटे को दंडित करने के लिए, हिरण्यकशिपु ने अपनी बहन होलिका से मदद मांगी, जो आग से प्रतिरक्षित थी। उनके पास एक चुनरी है, जिसे पहनकर वह आग के बीच बैठ सकती हैं। जिसे ढकने से आग का कोई असर नहीं होता। हिरण्यकश्यप और होलिका ने प्रह्लाद को जिंदा जलाने की योजना बनाई। होलिका ने धोखे से प्रह्लाद को अपने साथ आग में बैठा लिया। लेकिन दैवीय हस्तक्षेप के माध्यम से, प्रह्लाद को भगवान विष्णु ने बचा लिया और होलिका उस आग में जल गई। होलिका प्रह्लाद को वही चुनरी ओढ़कर गोद में लेकर अग्नि में बैठ गई, लेकिन भगवान की माया का असर यह हुआ कि हवा चली और चुनरी होलिका के ऊपर से उड़कर प्रह्लाद पर जा गिरी। इस प्रकार प्रह्लाद फिर बच गया और होलिका जल गयी। इसके तुरंत बाद भगवान विष्णु ने नरसिम्हा का अवतार लिया और गौधुली बेला यानी न दिन और न रात में दिकौली स्थित मंदिर की दहलीज पर अपने नाखूनों से हिरण्यकश्यप का वध कर दिया। सिर्फ बुन्देलखंड में ही नहीं बल्कि पूरे देश में होली से एक दिन पहले होलिका दहन की परंपरा चली आ रही है. यह पूरी कहानी बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। यही कारण है कि होली से एक दिन पहले होलिका दहन मनाया जाता है। होलिका वाहन पर लोग अपनी नकारात्मकता जलाते हैं।

होली से जुड़ी एक और लोकप्रिय कहानी भगवान कृष्ण और राधा के बारे में है। होली कृष्ण और राधा के बारे में एक चंचल प्रेम कहानी है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, भगवान कृष्ण जो अपने शरारती स्वभाव के लिए प्रसिद्ध थे, उन्होंने अपनी माँ से राधा के सुंदर रंग के विपरीत अपने गहरे रंग के बारे में शिकायत की थी। जवाब में, उनकी मां ने सुझाव दिया कि वह राधा के चेहरे को अपने रंग से मेल खाते हुए रंग दें। राधा के चेहरे को रंग से रंगने की यह चंचल क्रिया अंततः रंग और पानी से खेलने की परंपरा बन गई। लोग होली खेलते हैं और अपने प्रियजनों को रंग लगाते हैं जो प्यार, दोस्ती और वसंत के आगमन का प्रतीक है। समय के साथ, छुट्टियाँ खुशी, एकता और एकजुटता का सार्वभौमिक उत्सव बन गईं। यह अब एक विश्व प्रसिद्ध त्योहार है। यह भारत के साथ—साथ दुनिया के कई हिस्सों में भी बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है। होली का त्योहार रंग, संगीत, स्वादिष्ट मिठाइयों, चंचल वातावरण से भरा होता है होली से ठीक एक दिन पहले होलिका दहन होता है जिसमें व्यक्ति लकड़ी, घास और गाय के गोबर से बने ढेर में अपने बुरे कर्मों को जलाता है और अगले दिन से एक नई शुरुआत करने का संकल्प लेता है। होली का त्यौहार अपनी सांस्कृतिक और पारंपरिक मान्यताओं के कारण बहुत प्राचीन काल से मनाया जाता रहा है। होली के इस अनुष्ठान पर, लोग सड़कों, पार्कों, सामुदायिक केंद्रों और मंदिरों के आसपास के क्षेत्रों में होलिका दहन अनुष्ठान के लिए लकड़ी और अन्य ज्वलनशील सामग्रियों के ढेर बनाना शुरू कर देते हैं। होली हर साल सर्दियों के अंत में, मार्च महीने की पूर्णिमा या हिंदू कैलेंडर के फाल्गुन महीने में मनाई जाती है। यह पूरे भारत में खेला जाता है, लेकिन ज्यादातर उत्तर प्रदेश, बिहार और राजस्थान सहित उत्तरी क्षेत्रों के साथ—साथ महाराष्ट्र, गुजरात और पश्चिम बंगाल जैसे अन्य राज्यों में प्रसिद्ध है। दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और जयपुर जैसे प्रमुख शहर। भारत के अलावा होली नेपाल, बांग्लादेश, पाकिस्तान आदि देशों में भी मनाई जाती है जहां भारतीय लोग रहते हैं। रंग, उमंग के पर्व की मंगलकामना।

प्रकृति में रचा बसा होली का उमंग

—ललित गर्ग—

होली एक ऐसा त्योहार है, जिसका धार्मिक ही नहीं बल्कि सांस्कृतिक—आध्यात्मिक दृष्टि से विशेष महत्व है। बदलती युग—सोच एवं जीवनशैली से होली त्यौहार के रंग भले ही फीके पड़े हैं या मेरे—तेरे की भावना, भागदौड़, स्वार्थ एवं संकीर्णता से होली की परम्परा में धुंधलका आया है। परिस्थितियों के थपेड़ों ने होली की खुशी को प्रभावित भी किया है, फिर भी जिन्दगी जब मस्ती एवं खुशी को स्वयं में समेटकर प्रस्तुति का बहाना मांगती है तब प्रकृति एवं परम्परा हमें होली जैसा रंगारंग त्योहार देती है। इस त्योहार की गौरवमय परम्परा को अक्षुण्ण रखते हुए हम एक उन्नत आत्मउन्नयन एवं सौहार्द का माहौल बनाएं, जहां हमारी संस्कृति एवं जीवन के रंग खिलखिलाते हुए देश ही नहीं दुनिया में अहिंसा, प्रेम, भाई—चारे, साम्प्रदायिक सौहार्द के रंग बिखेरे। पर्यावरण के प्रति उपेक्षा एवं प्रदूषित माहौल के बावजूद जीवन के सारे रंग फीके न पड़ पाए।

हिंदू कैलेंडर के अनुसार, होली फाल्गुन महीने की पूर्णिमा को मनाई जाती है। यह वसंत ऋतु के आगमन का जश्न है। इस वर्ष होली पर अनेक शुभ योग बनने से होली का महत्व अधिक है। सर्वार्थसिद्धि योग, रवि योग, धनशक्ति योग, बुधादित्य योग मिलाकर बनते हैं पंच महायोग। कुंभ राशि में शनि, मंगल और शुक्र ग्रह होने से बनते हैं त्रिग्रही योग। इस बार होली पर रहने वाली है चंद्र ग्रहण की छाया, जिससे कुछ राशियों को मिलेगा शुभ परिणाम। इस प्रकार समस्त बड़े—छोटे, सूक्ष्म और बृहत् योग 340 वर्षों बाद प्राप्त हो रहे हैं, जो विशेष फलदायी, शुभ एवं नवीन उत्सवमयी होने का सूचक हैं। पौराणिक मान्यताओं की रोशनी में होली के त्योहार का विराट् समायोजन बदलते परिवेश में विविधताओं का संगम बन गया है, दुनिया को जोड़ने का माध्यम बन गया है। हमारी संस्कृति की सबसे बड़ी विशेषता है कि यहाँ पर मनाये जाने वाले सभी त्यौहार समाज में मानवीय गुणों को स्थापित करके लोगों में प्रेम, एकता एवं सद्भावना को बढ़ाते हैं। वस्तुतः होली आनंदोल्लास का पर्व है।

होली की परम्पराएँ श्रीकृष्ण की लीलाओं से सम्बद्ध हैं और भक्त हृदय में विशेष महत्व रखती हैं। श्रीकृष्ण की भक्ति में सराबोर होकर होली का रंगभरा और रंगीनीभरा त्यौहार मनाना एक विलक्षण अनुभव है। मंदिरों की नगरी वृन्दावन में फाल्गुन शुक्ल एकादशी का विशेष महत्व है। इस दिन यहाँ होली के रंग खेलना परम्परागत रूप में प्रारम्भ हो जाता है। मंदिरों में होली की मस्ती और भक्ति दोनों ही अपनी अनुपम छटा बिखेरती है। होली जैसे त्यौहार में जब अमीर—गरीब, छोटे—बड़े, ब्राह्मण—शूद्र आदि सब का भेद मिट जाता है, तब ऐसी भावना करनी चाहिए कि होली की अग्नि में हमारी समस्त पीड़ाएँ दुःख, चिंताएँ, द्वेष—भाव आदि जल जाएँ तथा जीवन में प्रसन्नता, हर्षोल्लास तथा आनंद का रंग बिखर जाए। होली का कोई—न—कोई संकल्प हो और यह संकल्प हो सकता है कि हम स्वयं शांतिपूर्ण एवं स्वस्थ जीवन जीये और सभी के लिये शांतिपूर्ण एवं निरोगी जीवन की कामना करें। ऐसा संकल्प और ऐसा जीवन सचमुच होली को सार्थक बना सकते हैं। होली शब्द का अंग्रेजी भाषा में अर्थ होता है पवित्रता। पवित्रता प्रत्येक व्यक्ति को काम्य होती है और इस त्योहार के साथ यदि पवित्रता की विरासत का जुड़ाव होता है तो इस पर्व की महत्ता शतगुणित हो जाती है। प्रश्न है कि प्रसन्नता का यह आलम जो होली के दिनों में जुनून बन जाता है, कितना स्थायी है? डफली की धुन एवं डांडिया रास की झंकार में मदमस्त मानसिकता ने होली जैसे त्योहार की उपादेयता को मात्र इसी दायरे तक सीमित कर दिया, जिसे तात्कालिक खुशी कह सकते हैं, जबकि अपेक्षा है कि रंगों की इस परम्परा को दीर्घजीविता प्रदान करते हुए आत्मिक खुशी का जरिया भी बनाये।

जीवन को हर रंग में जीने और स्वीकारने की कला सबको नहीं आती। उसके लिए जरूरत होती है, एक मस्तमौला नजरिए की। समुद्र से मिलने को तत्पर, मीलों बहती रहने वाली नदी की ऊर्जा की। ऊर्जा और आनंद के इसी मेल का प्रतीक है होली का त्यौहार, जो लगातार बदलते रहने के बावजूद बना रहता है, ध्रुव है, सत्य है। जितने रंग प्रकृति के हैं, उतने ही हमारे हैं और प्रकृति हर पल रंग बदलती है। पुरानी पत्तियां शाख छोड़ती नहीं हैं कि नई खिलनी शुरू हो जाती हैं। पतझड़ और बसंत साथ ही चलते रहते हैं। धरती के भीतर के घुप अंधेरों को चीर कर बाहर निकला बीज, फूल, शाख, पत्तियां और फल के रंग धर लेता है। उगने, डूबने, खिलने, फैलने, मिलने, सूखने, झड़ने, चढ़ने, उतरने और खत्म होने का हर रंग प्रकृति में है और है होली के मनभावन पर्व में। पर प्रकृति हो या होली इनसे उदासीन हम, कुछ ही रंगों में सिमट जाते हैं। गिले—शिकवों, उदासी, तेरे—मेरे, क्रोध और कुंठा में ही अटक जाते हैं। नतीजा, जिंदगी में तनाव और उदासी घिरने लगती है। होली जैसे त्यौहारों के बावजूद जीवन के सारे रंग फिके पड़ रहे हैं। न कहीं आपसी विश्वास रहा, न किसी का परस्पर प्यार, न सहयोग की उदात्त भावना रही, न संघर्ष में एकता का स्वर उठा। बिखराव की भीड़ में न किसी ने हाथ थामा, न किसी ने आग्रह की पकड़ छोड़ी। यूँ लगता है सब कुछ खोकर विभक्त मन अकेला खड़ा है फिर से सब कुछ पाने की आशा में। कितनी झूठी है यह प्रतीक्षा, कितनी अर्थ शून्य है यह अगवानी।

हम भी भविष्य की अनगिनत संभावनाओं को साथ लिए आओ फिर से एक सचेतन माहौल बनाएँ। उसमें सच्चाई का रंग भरने का प्राणवान संकल्प करें। होली के लिए माहौल भी चाहिए और मन भी चाहिए, ऐसा मन जहाँ हम सब एक हों और मन की गंदी परतों को उखाड़ फेकें ताकि अविभक्त मन के आइने में प्रतिबिम्बित सभी चेहरे हमें अपने लगें। कलाकार एमी ग्रेंट के अनुसार, ‘काला रंग गहराई देता है। इसे मिलाए बिना किसी वास्तविकता को रचा नहीं जा सकता।’ जीवन में सुख—दुख दोनों हैं। दोनों एक—दूसरे में बदलते रहते हैं। हमें सुख अच्छा लगता है और दुख में हम घबरा उठते हैं। सारी कोशिशें ही दुखों से बचने की होती हैं। होली का अवसर भी सारे दुःखों को भूलकर स्वयं से स्वयं के साक्षात्कार का अवसर है।

होली दिलों से जुड़ी भावनाओं का पर्व है। यह मन और मस्तिष्क को परिष्कृत करता है। न्यूरोबायोलिस्ट और रिसर्चर सेमिर जैक कहते हैं, ‘मस्तिष्क में प्यार और नफरत को जनरेट करने वाली वायरिंग एक ही होती है।’ इस भावना की कुछ अलग तरह से व्याख्या करते हैं लेखक और समाजशास्त्री पेजिल पामरोज, ‘प्रेम आत्मा के स्तर पर होता है और नफरत भावना के स्तर पर।’ होली प्रेम एवं संवेदनाओं को जीवंतता देने का दुर्लभ अवसर है। यह नफरत को प्यार में बदल देता है। यह पर्व बाहरी दुनिया में मौज—मस्ती का अवसर ही नहीं देता, बल्कि भीतरी दुनिया का साक्षात्कार भी कराता है। महान् दार्शनिक संत आचार्य महाप्रज्ञ ने प्रेक्षाध्यान के माध्यम से विभिन्न रंगों की साधना कराते हुए आत्मा को उजालने एवं भीतरी दुनिया को उन्नत बनाने की विधि प्रदत्त की है। रोमन सम्राट व चिंतक मार्क्स ऑरेलियस ने कहा भी है, ‘मन के विचारों में रंगी होती है आत्मा।’ जैन दर्शन भी कहता है कि जैसे विचार होते हैं, वैसे ही कर्म परमाणु आत्मा से चिपक जाते हैं। आत्मा के तमाम रंगों तक पहुंचने की हमारी यात्रा मन से होकर गुजरती है। हमें अपने विचारों को सही रखना होता है। उसमें दूसरों के लिए जगह छोड़नी होती है। नकारात्मक ऊर्जा के नुकसान से बचने के लिए होली के रंगों में सराबोर होना, रंगों का ध्यान करना, अपनी पर्वमय संस्कृति से रू—ब—रू होना फायदेमंद साबित होता है।

कुछ प्रत्याशियों को मतगणना के लिये करना होगा लम्बा इंतजार

—लिमटी खरे—

अठ्ठारहवीं लोकसभा के लिए मुनादी हो चुकी है। इस बार लोकसभा की 543 सीटों के लिए 7 चरणों में चुनाव होना है। लगभग 47 दिन तक अनेक प्रत्याशियों का भाग्य ईवीएम में कैद रहेगा। मतगणना 04 जून को संपन्न होगी। पहले चरण में 19 अप्रैल को मतदान होगा, दूसरे चरण का मतदान 26 अप्रैल, फिर 07 मई, 13 मई, 20 मई, 25 मई एवं 01 जून को आखिरी चरण का मतदान संपन्न होगा। चुनावों की घोषणा के साथ ही आदर्श आचार संहिता भी प्रभावी हो गई है। इस बार 18 से 19 आयुवर्ग की 85 लाख महिला मतदाता हैं इसके अलावा 19 से 29 साल के मतदाताओं की तादाद 19 करोड़ 74 लाख है। 85 साल से अधिक आयु के बुजुर्ग इस बार घर से ही मतदान कर सकेंगे।

मतदान के पहले चरण हेतु चुनावी प्रक्रिया 20 मार्च से आरंभ हो गई इसका नोटिफिकेशन जारी हो गय। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 27 मार्च, नामांकन पत्रों की जांच 28 मार्च तक और मतदान 19 अप्रैल को संपन्न होगा। दूसरे चरण के लिए नोटिफिकेशन 28 मार्च को, नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 04 अप्रैल, नामांकन पत्रों की जांच 05 अप्रैल तक और मतदान 26 अप्रैल को संपन्न होगा। तीसरे चरण में नोटिफिकेशन 12 अप्रैल को, नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 19 अप्रैल, नामांकन पत्रों की जांच 20 मार्च तक और मतदान 07 मई को संपन्न होगा।

चौथे चरण के लिए नोटिफिकेशन 18 अप्रैल, नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 25 अप्रैल, नामांकन पत्रों की जांच 26 अप्रैल तक और मतदान 13 मई को संपन्न होगा। पांचवे चरण के लिए नोटिफिकेशन 26 अप्रैल को, नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 03 मई, नामांकन पत्रों की जांच 04 मई तक और मतदान 20 मई को संपन्न होगा। छटवें चरण के लिए नोटिफिकेशन 29 अप्रैल, नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 06 मई, नामांकन पत्रों की जांच 07 मई तक और मतदान 25 मई को संपन्न होगा। सतवें और अंतिम चरण के लिए नोटिफिकेशन 07 मई को, नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 14 मई, नामांकन पत्रों की जांच 15 मई तक और मतदान 01 जून को संपन्न होगा। इसके साथ ही 04 जून को मतगणना की जाएगी।

यह तो था चुनावी कार्यक्रम, अब बात करते हैं चुनावों के दौरान होने वाली गफलत के बारे में। दरअसल, चुनावों के दौरान प्रत्याशियों के द्वारा मतदाताओं को लुभाने और अपने प्रतिद्वंदी की साख खराब करने के लिए तरह तरह के जतन किए जाते हैं। इन पर नजर कैसे रखी जाएगी। राष्ट्रीय, प्रादेशिक स्तर पर मीडिया संस्थानों पर तो नजर रखी जा सकती है, पर छोटे छोटे जिलों, तहसील, विकास खण्ड स्तर पर मीडिया पर नजर कैसे रखी जाएगी, यक्ष प्रश्न यही है।

हर जिले में मीडिया प्रमाणन एवं निगरानी समिति अर्थात एमसीएमसी का गठन किया जाता है। इस समिति के द्वारा उस क्षेत्र में चल रहे मीडिया माध्यमों पर नजर रखी जाती है। पिछले दो तीन चुनावों से कुछ जिलों में तो एमसीएमसी का गठन तो हुआ पर इन समितियों में स्थानीय स्तर के पत्रकारों का समावेश नहीं किया गया, जबकि यह अत्यावश्यक कदम होता है। इसके अलावा जिसका जो मन होता है वह छाप देता है। यही नहीं सोशल मीडिया का जमाना है इसके चलते मनमर्जी की खबरें कथित तौर पर यू ट्यूब चेनल चलाने वाले पत्रकारों के द्वारा दिखा दी जाती हैं।

जिला स्तर पर सोशल मीडिया पर आखिर नजर कौन रख पाएगा! नब्बे के दशक में समाचार पत्रों की जबर्दस्त बाढ़ आई थी, क्योंकि समाचार पत्र का पंजीयन निशुल्क और आसान हुआ करता था। इसी तर्ज पर वर्तमान में वेब पोर्टल्स और यूट्यूब चेनल्स की भरमार है। इनमें से प्रमाणिक कितने हैं, और वेब पोर्टल्स या यूट्यूब चेनल्स के नाम पर माईक आईडी लेकर पत्रकारिता के पेशे को बदनाम करने वाले कितने! यह पता करना बहुत आसान नहीं है। सीधे शब्दों में कहा जाए कि देशी घी अर्थात असली श्रमजीवी पत्रकार के बजाए अब डालडा नकली पत्रकार में भेद करना बहुत मुश्किल है। यह काम जिला स्तर पर कलेक्टर के द्वारा आसानी से किया जा सकता है।

बहरहाल, नेताओं के द्वारा कई बार एक दूसरे पर लांछन लगाते हुए जिस भाषा का प्रयोग किया जाता है, उसे उचित नहीं माना जा सकता है। चुनाव आयोग को चाहिए कि नेताओं के लिए भी प्रथक से गाईड लाईन जारी की जाएं, ताकि आपसी सौहाद्र पूरी तरह बना रहे। इसके साथ ही धनबल और बाहुबल पर रोक कैसे लग पाएगी, क्योंकि इस पर निगरानी संभव प्रतीत नहीं होती है। प्रत्याशियों के द्वारा दिए जाने वाले खर्च के ब्योरे और उसके द्वारा वास्तव में किए गए खर्च की बारीकी से जांच शायद ही हो पाती हो।

राजनीति का अर्थ किसी भी तरह से वोट का जुगाड़ करना हो गया है। भारत में आप सार्वजनिक रूप से कोई भी सवाल उठाओ, तो उस पर बहस करने की बजाय, इसमें क्या राजनीति है, लोग ऐसा सोचने लगते हैं। दूसरा काम यह हुआ है कि समूची राजनीति दिन—रात वोटों के गुणा—भाग में ही अपनी ऊर्जा खपा रही है। एक अरब चालीस करोड़ की आबादी वाले देश को शांतचित्त और प्रेमपूर्वक कैसे चलाया जाए, इसका ध्यान ही नहीं है। इतनी बड़ी आबादी का देश सरकार बनाने और गिराने को ही राजनीतिक जीवन का मूल मंत्र मानने लगा है। आजादी के बाद से धीरे—धीरे हमारी राजनीतिक हलचल केवल वोट हासिल करने के एक मात्र व्यक्तिगत और सामूहिक उपक्रम में बदल गई है। सत्ता हासिल कर क्या करेंगे और कैसे करेंगे, यह विचार—विमश और व्यवहार का विषय ही नहीं बन पाया है। लोकतंत्र में नागरिक चेतना नदारद हो रही है और यह एक अजीब सी उदासीनता में बदल रही है। समूची राजनीति का एक सूत्री कार्यक्रम है, कैसे चुनाव जीता जाए और सत्ता हासिल की जाए? इसी से हमारे देश की समूची राजनीति नागरिक ऊर्जा विहीन हो गई है।

आजादी के ७५ साल बाद भी ‘सबको इज्जत और सबको काम देने’ की दिशा में देश की राजनीति प्रभावी सकारात्मक कदम नहीं उठा पाई। लोकतांत्रिक ढंग से सत्ता हासिल करके भी देश की विशाल लोक ऊर्जा निस्तेज क्यों है, यह मूल सवाल है। भारतीय समाज में यह भाव मजबूत क्यों नहीं हुआ कि ‘भारत सबका और सब भारत के।’ भारत के संविधान में पूरी संवैधानिक स्पष्टता के बावजूद धर्म, जाति, लिंग, स्थान, और नस्ल के आधार पर भेदभावपूर्ण व्यवहार करके प्रायरू सभी राजनीतक ताकतें आजादी की लड़ाई की मूल भावना को ही ठेस पहुंचाने को अपनी राजनीति का मुख्य हिस्सा बनाकर, भारत के संविधान और आजादी आंदोलन की मुख्यधारा को ही संकुचित कर रही हैं। भारत की असली ताकत भारत के लोग हैं और भारत के किसी भी नागरिक को अपमानित और अवांछित घोषित करने का अधिकार संविधान किसी भी निर्वाचित या अनिर्वाचित राजनीतिक या अराजनीतिक ताकत को सीधे या परोक्ष रूप से नहीं देता है। यही संविधान और आजादी आन्दोलन की मूल भावना या नागरिकों की सार्वभौमिक ताकत है। लोकतांत्रिक व्यवस्था मनमानी से नहीं, सामूहिक विवेक और सहभागिता से ही चल सकती है।

भारत ने दुनियां को युद्ध नहीं बुद्ध दिया

—अविनाश राय खन्ना—

हमारा देश भारत मूलतः एक आध्यात्मिक देश है। कुछ विदेशी ताकतों ने हमारी आध्यात्मिकता को हमारी कमजोरी समझ लिया और हमलों के द्वारा यहां सत्तासीन होने का प्रयास किया। ऐसे प्रयासों के विरुद्ध हमारे देश की युवा शक्ति ने जब इन विदेशी ताकतों के विरुद्ध मोर्चे बांधे तो इसी युवा शक्ति को हमारे देश की जनता ने महान धार्मिक नेतृत्व के रूप में स्वीकार किया। विदेशी आक्रांताओं के विरुद्ध सामान्य जनता में जागृति पैदा करने का कार्य मुख्य रूप से धार्मिक और आध्यात्मिक नेताओं के हाथ ही में रहा। इस्लामी आक्रांताओं के विरुद्ध श्री गुरुनानक देव जी से लेकर गुरु गोबिन्द सिंह जी तक सभी गुरुओं ने आध्यात्मिक मुक्ति के लिए वैचारिक मुक्ति को आवश्यक बताया। उन्होंने तो सवा लाख से एक लड़ाऊं का नारा बुलंद करके एक—एक योद्धा में भारी ताकत का संचार ही कर दिखाया।

मुगलों ने हमारे गुरुओं पर जितने भी जुल्म किए उन सबसे हमारे गुरुओं की आध्यात्मिक शक्ति बढ़ती ही रही। जिसके परिणामस्वरूप हमारे युवाओं में भी जोश पैदा होता रहा और हर मोर्चे पर सफलताएं मिलती रहीं। अपनी मूल आध्यात्मिक संस्कृति की रक्षा के लिए प्रेरणा का काम आध्यात्मिक पुरुष करते हैं और क्षेत्र में योद्धा बनकर कार्य करने की जिम्मेदारी युवा शक्ति पर होती है। महर्षि दयानंद सरस्वती जी ने भी ऐसी ही प्रेरणा नाना साहब, लक्ष्मीबाई आदि को दी तो ब्रिटिश सत्ता के विरुद्ध स्वतंत्रता का बिगुल बज गया। इस स्वतंत्रता आंदोलन में लाला लाजपत राय, चन्द्रशेखर आजाद, राम प्रसाद बिस्मिल और भगत सिंह जैसे लोगों ने जब अपनी आहुतियां दीं तो देश की जनता ने उन्हें भी वैसा ही सम्मान दिया जैसा धार्मिक नेताओं को दिया जाता है।

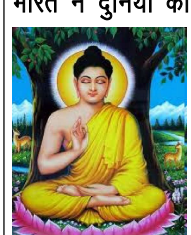

विगत 10 वर्षों से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने भी सारे देश के धार्मिक स्थलों का पुनरुद्धार करने का जो बीड़ा उठाया—वह विचार और जोश भारत के किसी भी पूर्व प्रधानमंत्री के मन में नहीं उठा। नरेन्द्र मोदी जी ने सबसे पहले वर्ष 2019 में गुरु नानकदेव जी की जन्मस्थली, करतारपुर साहब गुरुद्वारे तक पहुंचने के लिए मार्ग प्रशस्त किया। लगभग 400 वर्ष पूर्व गुरु गोङ्क्षबन्द सिंह जी के साहिबजादों जोरावर सिंह जी तथा फतेह सिंह जी की शहादत वाले दिन 26 दिसम्बर को ‘वीर बाल दिवस’ घोषित किया तो उनके इस प्रयास से सारे देश के बच्चों में राष्ट्र रक्षा की भावनाएं उजागर हो गईं। इस के साथ—साथ उन बाल शहीदों के विस्मृत होते जा रहे इतिहास को फिर से जीवंत कर दिया।

पंजाब के दो साहिबजादों के विस्मृत पड़े हुए इतिहास को एक बार फिर सारे संसार के सामने सुख्खयां प्राप्त हो गईं। धर्म और संस्कृति की रक्षा के लिए भी उन्होंने अनेकों ऐसे प्रयास किए जो किसी सामान्य राजनेता के मन में पैदा ही नहीं हो सकते थे। गुजरात के कच्छ क्षेत्र में एक प्राचीन लखपत साहब गुरुद्वारा भूकम्प में क्षतिग्रस्त हो गया था जिसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पहले से भी जोरदार सुंदरता प्रदान करने के प्रयास कर दिखाए। 500 वर्षों से श्री राम मंदिर का मामला लचर सरकारी और न्यायिक प्रक्रियाओं का शिकार होता रहा। नरेन्द्र मोदी जी की पहल पर यह कार्य सम्पन्न हो सका और अयोध्या का राम मंदिर आज सारी दुनिया में आकर्षण का केंद्र बन चुका है।

काशी विश्वनाथ हो या इंदौर, उज्जैन के मंदिर, मोदी जी ने भारत के अनेकों धर्मस्थलों की सुन्दरता पर विशेष ध्यान दिया है। वे जब भी किसी धार्मिक आयोजन में शामिल होते हैं तो उनकी वाणी में राजनेता की भावना नहीं अपितु एक आध्यात्मवेत्ता की भावना दिखाई देती है। उनकी वाणी ही क्या उनके शरीर की भाषा भी उनके अंदर एक आध्यात्मिक शक्ति का दर्शन प्रस्तुत करती है। हाल ही में भारत को जब जी—20 देशों का नेतृत्व प्राप्त हुआ तो सारा विश्व वर्ष भर की इन अंतर्राष्ट्रीय बैठकों को बड़े विस्मय से देख रहा था कि किस प्रकार अंतर्राष्ट्रीय स्तर के औपचारिक विषयों के साथ—साथ भारत के हर प्रांत की संस्कृति और धार्मिक परम्पराओं को उजागर किया जा रहा था।

मां के पास सो रहे डेढ़ वर्षीय मासूम को उठा ले गया भेड़िया, खेत में मिला धड़, सिर गायब

संवाददाता–बहराइच। भेड़िए के खौफ से ग्रामीणों में दहशत व्याप्त है। भेड़िए मासूमों को अपना शिकार बना रहा है। इसी तरह मामला बहराइच से सामने आया है। हरदी थाने के ग्राम पंचायत महसी के नयापुरवा गांव निवासी एक डेढ़ वर्षीय मासूम बालक को शनिवार की रात तकरीबन डेढ़ बजे भेड़िया बिस्तर से उठा ले गया। बालक अपनी मां के पास मच्छरदानी के अंदर सो रहा था। जानकारी होते ही परिजनों ने खोजबीन शुरू की। बालक का धड़ सुबह गांव से दूर स्थित खेत में मिला लेकिन सिर गायब था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। शकील की पत्नी आशिया बेगम अपने दोनों जुड़वा बेटों डेढ़ वर्षीय छोटू व अली रजा के साथ घर में टीन शेड के नीचे सोई हुई थी। रात लगभग डेढ़ बजे भेड़िया आया, और मासूम छोटू को चारपाई से खींचने लगा। बेटे को बचाने के लिए मां ने जानवर से छीनने का प्रयास किया, लेकिन उसे छीन नहीं सकी। जब तक परिवार के लोग दौड़ते, तब तक वह छोटू को लेकर जा चुका था। आशिया अपने दूसरे बेटे अली रजा को ही बचा सकी। सभी ने रात में ही खोजबीन शुरू की। रविवार सुबह बालक का ढाई किलोमीटर की दूर स्थित मुजाहिर के मसूर के खेत में शव मिला। जिससे सिर गायब था। यह देख परिवार में कोहराम मच गया। सूचना पाकर पुलिस के साथ वनकर्मी भी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बीते 06 मार्च से महसी इलाके के अलग–अलग गांवों में भेड़िए का बदस्तूर जारी है। आशिया बेगम ने बताया कि उसके दोनों बेटे छोटू व अली रजा उसके साथ मच्छरदानी के अंदर चारपाई पर सोए थे। भेड़िया मच्छरदानी फाड़कर बेटे को उठा ले गया। बेटे को छुड़ाने में हुई खींचा तानी में जमीन पर जानवर के नाखूनों के तमाम निशान बने थे। अभी वन विभाग यह नहीं बता पा रहा है कि हमलावर भेड़िया था या कोई अन्य वन्य जीव।

मंच से 120 शिक्षकों, बच्चों, कार्यकर्त्रियों को मिला सम्मान

संवाददाता–महराजगंज। नगर के एक लॉन में हमारा आंगन, हमारे बच्चे उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें निपुण भारत के तहत परिषदीय विद्यालयों को सुधारने, शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने व बच्चों में रुचिकर शिक्षा बढ़ाने के लिए 120 शिक्षकों, बच्चों, सुपरवाईजरों व आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों को मंच से सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि बीएसए श्रवण कुमार गुप्ता व डीपीओ दुर्गेश कुमार ने प्रशस्ति पत्र देकर हौसला बढ़ाया। एमडीएम शैलेंद्र वर्मा ने सभी अतिथियों का स्वागत किया गया। कार्यक्रम में हर ब्लाक से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले दो नोडल शिक्षक संकुल, दो नोडल शिक्षक,दो सुपरवाइजर, दो आंगनबाड़ी कार्यकत्री व दो बच्चों को प्रमाण पत्र एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। इसमें खेमपिपरा की शिक्षिका स्मिता मिश्रा, राजू कुमार गौड़, सुनील कुमार शर्मा, मनोज सिंह, अनामिका, मुकेश मणि, शशिलता, संजना, रामनाथ, प्रदीप कुमार समेत 120 शिक्षकों, बच्चों, आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों, सुपरवाइजरों को सम्मानित किया गया। इन्होंने स्तर पर स्कूल रेडिनेस और बालवटिका में श्रेष्ठ कार्य किया है। इस दौरान डायट प्रवक्ता अर्जुन शाही ने वर्तमान समय में बुनियादी शिक्षा के लिए शासन द्वारा किए गए प्रयासों और संचालित कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी। एआरपी सदर वृंदावन चौहान, वरेश कुमार ने भी अपने विचार रखे। मुख्य अतिथि जिला कार्यक्रम अधिकारी दुर्गेश अग्रवाल ने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों व नोडल शिक्षकों के बीच बेहतर समन्वय बनाया जाय। एक अच्छा शैक्षिक वातावरण का निर्माण किया जाए। खंड शिक्षा अधिकारी चन्द्र भूषण पांडेय ने आए हुए सभी अतिथियों का आभार प्रकट किया। संचालन पंकज कुमार व अरविंद जायसवाल सरस ने किया। इस दौरान डीसी प्रशिक्षण अखिलेश वर्मा, एसआरजी केएम पटेल, सत्यप्रकाश वर्मा, सीडीपीओ, एसआरजी आदि मौजूद रहे।

उतरौला पुलिस पर डीएम का सख्त एक्शन, 2 साल तक नहीं मिलेगा किसी थाने का चार्ज

संवाददाता–गोण्डा। उतरौला पुलिस ने एक व्यक्ति के घर को जबरन कब्जा कराए जाने के मामले का डीएम ने स्वत संज्ञान ले लिया। पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए डीएम ने अपनी विशेष शक्तियों का प्रयोग किया। कई पुलिस कर्मियों पर बड़ी कार्रवाई होने की संभावना है। बलरामपुर जिले की उतरौला सर्किल पुलिस ने जबरन एक व्यक्ति के मकान पर कब्जा करवा दिया। डीएम ने इस पूरे प्रकरण को स्वत संज्ञान लेते हुए इसकी मजिस्ट्रेटी जांच कराई। जांच के दौरान उतरौला पुलिस की भूमिका संदिग्ध पाई गई। इस मजिस्ट्रेटी जांच का हाई कोर्ट ने संज्ञान में लेते हुए पीड़ित को पुनः कब्जा दिलाए जाने का निर्देश दिया। डीएम ने इस पूरे प्रकरण से उतरौला सर्किल पुलिस को हटाकर मजिस्ट्रेट को तुलसीपुर सर्किल पुलिस को लेकर पीड़ित को न्याय दिलाने का आदेश दिया। इसके बाद पीड़ित को पुनः कब्जा दिलाया गया।

बलरामपुर के डीएम का भ्रष्टाचार के खिलाफ लगातार एक्शन जारी है। पुलिस ने एक व्यक्ति का जबरन घर कब्जा करा दिया। डीएम ने इस मामले को स्वतरू संज्ञान ले लिया। अपनी विशेष शक्तियों का प्रयोग करते हुए पीड़ित को न्याय दिलाया। मामले में अगली सुनवाई तिथि पर दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई हो सकती है। गैर कानूनी कार्यों में शामिल इंस्पेक्टर्स को 2 साल तक किसी भी थाने का चार्ज नहीं मिलेगा।

जिलाधिकारी बलरामपुर ने भ्रष्टाचार में शामिल पुलिस कर्मियों को चेतावनी देते हुए कहा है कि मजिस्ट्रेट और उच्चाधिकारियों के आदेश की अवहेलना करने वाले पुलिसकर्मी अब बच नहीं पाएंगे। माफियाओं के खिलाफ शिथिलता पूर्ण रवैया रखने वाले पुलिस कर्मियों के खिलाफ सुख्ते नहीं, तो कठोर कार्रवाई की जाएगी।

बलरामपुर जिले के उतरौला कोतवाली क्षेत्र के हाटन रोड के रहने वाले राम प्रताप वर्मा के घर में 2 माह पहले पुलिस ने मिलकर कब्जा करा दिया था। फिलहाल जिलाधिकारी के एक्शन के बाद पीड़ित को न्याय मिल गई है। पुलिस का यह हाल तब है। जब यह प्रकरण हाई कोर्ट और सिविल न्यायालय में विचाराधीन था। फिर भी पुलिस ने न्यायाधीश और मजिस्ट्रेट की भूमिका को निभाते हुए न जाने किस कारण बस कब्जा दिला दिया।

पुलिस द्वारा अवैध रुप से मकान पर कब्जा करने के मामले में मजिस्ट्रीयल समिति की संस्तुतियों के आधार पर जिला मजिस्ट्रेट बलरामपुर द्वारा सम्बन्धित के खिलाफ दण्डात्मक कार्यवाही अमल में लाई जायेगी। डीएम ने कठोर चेतावनी देते हुए कहा है, कि जमीन संपत्ति के मामले में पुलिस बिना न्यायालय या उप जिला मजिस्ट्रेट मजिस्ट्रेट के आदेशों के विपरीत अवैध कब्जा करने धमकाने का प्रकरण संज्ञान में आने पर दोषी पुलिस कर्मियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।

पहले रेंडमाइजेशन में पीठासीन व मतदान अधिकारी की बनेगी चुनावी जोड़ी

संवाददाता–महराजगंज। लोकसभा सामान्य निर्वाचन की अधिसूचना जारी होने के बाद जिला निर्वाचन कार्यालय चुनाव की तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुट गया है। निर्वाचन ड्यूटी के लिए जिले में तैनात 10 हजार 4 कर्मियों की फीडिंग कराई जा चुकी है। पन्द्रह अप्रैल को मतदान कार्मिकों का प्रथम रैंडमाइजेशन होगा। इसमें मतदान केन्द्र के पीठासीन अधिकारी व मतदान अधिकारी प्रथम व द्वितीय की जोड़ी बनेगी। 18 से 21 अप्रैल तक आईटीएम चेहरी में मतदान कार्मिकों को निर्वाचन कराने का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके लिए मास्टर ट्रेनर प्रशिक्षित किए जा चुके हैं। लोकसभा चुनाव के लिए 1134 मतदान केन्द्रों पर 2084 बूथ बनाए गए हैं। इसके लिए कुल 10 हजार 4 मतदान कार्मिकों की जरूरत है। इसमें बीस फीसदी कार्मिक रिजर्व भी रहेंगे। सभी पोलिंग बूथ पर एक–एक पीठासीन अधिकारी, मतदान अधिकारी प्रथम, द्वितीय व तृतीय की नियुक्ति होगी। इनकी कुल संख्या 8336 है। इसके अलावा बीस फीसदी मतदान कार्मिकों की रिजर्व में ड्यूटी लगाई जाएगी। इनकी संख्या 1668 रहेगी। जिले के लोकसभा क्षेत्र में पांच विधान फरेंदा, नौतनवा, सिसवा, महराजगंज व पनियरा है। निर्वाचन प्रक्रिया को पूरी कराने के लिए 112 सेक्टर मजिस्ट्रेट, 20 जोनल मजिस्ट्रेट व 226 माइक्रो आब्जर्वर तैनात किए जाएंगे। जिला निर्वाचन अधिकारी अनुनय झा ने सेक्टर व जोनल मजिस्ट्रेट की नियुक्ति कर दिया है। 25 सेक्टर मजिस्ट्रेट, 4 जोनल मजिस्ट्रेट व 45 माइक्रो आब्जर्वर की रिजर्व ड्यूटी रहेगी। जरूरत पड़ने पर रिजर्व मतदान अधिकारियों की ड्यूटी लगाई जाएगी।

अनुनय झा–जिला निर्वाचन अधिकारी/डीएमने कहा कि आगामी लोकसभा सामान्य निर्वाचन को लेकर मतदान कार्मिकों का पन्द्रह अप्रैल को प्रथम रेंडमाइजेशन किया जाएगा। इसमें पीठासीन अधिकारी व मतदान अधिकारी की जोड़ी बनेगी। 18 से 21 अप्रैल तक आईटीएम चेहरी में मतदान कार्मिकों को प्रशिक्षित किया जाएगा। इसके लिए सभी तैयारी की जा चुकी है।

क्राइस्ट द किंग चर्च में ईसाई समुदाय ने मनाया पहम संडे

संवाददाता–महराजगंज। क्राइस्ट द किंग चर्च नौतनवां में रविवार को ईसाई समुदाय के लोगों ने पल्लि पुरोहित फादर सोबिन के साथ पॉम संडे मनाया। ईसाई समुदाय के लोगों लोगों ने क्राइस्ट द किंग चर्च में प्रभु यीशु मसीह का प्रार्थना किया। फादर सोबिन ने बताया कि आज से खीस्त समाज ने पुण्य सप्ताह में प्रवेश किया। प्रभु यीशु के येरुशलम में प्रवेश करने की स्मृति में कलेसिया के लोगों ने आशीष की हुई खजूर की डालियां लेकर प्रभु यीशु का जय–जयकार और यह पुण्य भजन गाते हुए गिरजाघर में प्रवेश कर पवित्र मिस्सा बलिदान में भाग लिया। फादर सोबिन ने अपने प्रवचन द्वारा इस पुण्य सप्ताह के बारे में समझाया। फादर सोबिन ने अपने प्रवचन में लोगों को संबोधित करते हुए प्रभु यीशु के पुण्य बलिदान को याद करते हुए कहा कि हमें भी पाप से दूर और अपने शत्रुओं को क्षमा एवं प्यार करने का ईसा मसीह के इस शिक्षा को अपने जीवन में अमल करने के लिए कहा। इस मौके पर सिस्टर मॉलि, सिस्टर मैगदलिन, सिस्टर जयंती, बदर गिपटो, राजा बॉयड, लीना बॉयड, निर्मला, दिशा मौजूद रहे।

पुलिस ने पकड़ा 17 कुंतल नकली मावा

संवाददाता–बहराइच। जिले की पयागपुर पुलिस ने चेकिंग के दौरान एक पिकअप से नकली मिलावटी खाद्य पदार्थ मावा बरामद किया है। पुलिस ने पकड़े गए मावा को को सीज कर दिया है। यह नकली मावा बाजारों में सप्लाई के लिए जा रहा था। इसकी जांच के लिए सैंपल लखनऊ भेजा गया है।

पुलिस अधीक्षक बहराइच के निर्देश पर जिले भर में चलाए जा रहे सघन चेकिंग अभियान के दौरान बहराइच पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। खुटेहना चौराहे पर पुलिस ने एक पिकअप वाहन को रोक कर चेक किया तो पुलिस के होश उड़ गए। पुलिस के मुताबिक पिकअप पर 110 डिब्बों में करीब 17 क्विंटल नकली सफेद छेना, काला जाम, खोया और पनीर बरामद हुआ है। थानाध्यक्ष पयागपुर ने इसकी सूचना कमिश्नर खाद्य सुरक्षा विभाग को दी। वह अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे सैंपल एकत्र कर बरामद माल को नष्ट करा दिया। पुलिस को पूछताछ के दौरान वाहन चालक ने बताया कि पयागपुर और चिलवरिया में दो स्वीट हाउस पर भारी मात्रा में नकली मिठाइयां और पनीर मौजूद है। सूचना पर थानाध्यक्ष ने दुकान पर पहुंच कर चेक किया। तो करीब 200 किलोग्राम मात्रा में नकली बर्फी, मिल्क केक, सोन पापड़ी, सफेद छेना 200 किलोग्राम नकली पनीर 300 किलोग्राम नकली खोवा लगभग 7 कुंतल नकली खाद्य पदार्थ बरामद हुआ। सभी का सैंपल एकत्र कर जांच के लिए भेजा गया है। और खाद्य सामग्री को नष्ट करा दिया गया। पुलिस के मुताबिक खाद्य विभाग के पत्र पर आगे की कार्यवाई की जाएगी।

नकली खोया (मावा) में थोड़ी सी चीनी मिलाकर गर्म करें। अगर वह पानी छोड़ने लगे तो मतलब मावा नकली है। मावा को अंगूठे के नाखून पर रगड़े। अगर उसमें घी की महक नहीं आती है। मतलब वह मावा नकली है।असली मावा थोड़ा ऑयली और दानेदार होता है। उसमें घी की महक आती है। जबकि मिलावटी मावे को हथेलियों पर रगड़ने से उसमें से केमिकल की गंध आती है। मावे के असली नकली होने का पता आप उसे सूंघकर भी लगा सकते हैं। असली मावे से दूध की खुशबू आती है। जबकि नकली मावा काफी हद तक स्मेल फ्री होता है।

नकली मावा में मिलावट का पता लगाने के लिए आयोडीन टिंचर का इस्तेमाल बेहतर बेहतर रहता है। ऐसे में मावे की टिकिया बनाकर 2 बूंद आयोडीन टिंचर डालें। अब 5 मिनट बाद मावे का रंग काला होने पर समझ जाएं कि इसमें मैदा मिला है।वहीं, टिंचर का केसरिया रंग मावे की शुद्धता का प्रतीक है।

अन्ना आंदोलन से पैदा हुए केजरीवाल, देश का कानून उनके ऊपर लागू नहीं होता -बृजभूषण सिंह

संवाददाता–गोण्डा। के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को लेकर बीजेपी सांसद बृजभूषण सिंह ने कहा कि केजरीवाल अन्ना के आंदोलन से पैदा हुए थे। उनकी गिरफ्तारी को लेकर बड़ी बात कह दी। बीजेपी सांसद बृजभूषण सिंह एक निजी कार्यक्रम में शामिल होने के बाद मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि अरविंद केजरीवाल अन्ना आंदोलन से पैदा हुए थे। उनकी गिरफ्तारी को लेकर कहा कि केजरीवाल के बयान से ऐसा लगता था, कि देश का संविधान उनके ऊपर लागू नहीं होता है। वह अन्ना आंदोलन से निकले थे। ईमानदारी के ताबूत थे। कैसरगंज लोकसभा सीट से बीजेपी सांसद बृजभूषण सिंह एक निजी कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे थे। कार्यक्रम में शामिल होने के बाद मीडिया दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में कहा कि जिस तरीके से ईडी उन्हें लगातार नोटिस दे रही थी। नोटिस मिलने के बाद जिस तरह से उनके बयान निकलकर सामने आ रहे थे। बार–बार उनके ऐसे बयान सामने आ रहे थे। जैसे वह भारत में नहीं रहते हैं। श्रीलंका, बांग्लादेश और म्यार में रहते हैं। देश का कानून उनके ऊपर लागू नहीं होता। उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल हो या कोई भी व्यक्ति हो भारत के संविधान या संवैधानिक व्यवस्था पर विश्वास करना होगा। वही तंज करते हुए सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने कहा तकलीफ इस बात की है, कि यह अन्ना आंदोलन से पैदा हुए हैं। एकदम ईमानदारी के ताबूत है। कम से कम न्यायपालिका और जांच एजेंसियों का सम्मान करना चाहिए।

चुनाव प्रबंधन समिति की बैठक में सेक्टर से बूथ तक सक्रियता पर जोर

संवाददाता–महराजगंज। भाजपा कार्यालय पर लोकसभा महराजगंज के चुनाव प्रबंधन समिति की बैठक जिलाध्यक्ष संजय पांडेय की अध्यक्षता में हुई। इसमें सेक्टर से बूथ तक की सक्रियता पर जोर दिया गया। संचालन जिला महामंत्री ओम प्रकाश पटेल ने किया। मुख्य अतिथि क्लस्टर प्रभारी–पूर्व मंत्री जयप्रकाश निषाद ने कहा कि लोकसभा चुनाव 2024 का आगाज हो चुका है। हमे पुनः मिलकर प्रचंड बहुमत के साथ कमल खिलाना है और नरेंद्र मोदी को अभूतपूर्व बहुमत से प्रधानमंत्री बनाना है। इसके लिए जिले से लेकर सेक्टर व बूथ तक हम अपनी संरचना ठीक करें। बूथ जीतना हमारा लक्ष्य है।बूथ की प्रचंड जीत से ही हम जनपद में प्रचंड जीत का लक्ष्य प्राप्त कर सकेंगे। कोई भी मतदाता हमारे संपर्क से अछूता ना रहे, जिसके पास हम मोदी सरकार का काम और भाजपा की नीतियों को लेकर ना पहुंचें।

केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने कहा कि आज भारत में बदलाव आया है। आज भारत का विश्व पटल पर सम्मान बढ़ा है। आज भारत आर्थिक क्षेत्र में पांचवें स्थान पर है और जल्द ही तीसरी आर्थिक शक्ति के रूप में नजर आयेगा। आज अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक को योजनाओं का लाभ मिल रहा है। हम सबको फिर एक बार मोदी सरकार बनानी है। जिलाध्यक्ष संजय पांडेय ने कहा कि हमें बूथ समिति तक बैठकों का निरन्तर आयोजन एवं लोकसभा चुनाव के लिए प्रचार प्रसार करना है। तप, तपस्या और त्याग जीवन का मूलमंत्र होना चाहिए। बैठक को लोक सभा प्रभारी छट्ठे लाल निगम, जिला प्रभारी राम जियावन मौर्य, जिला पंचायत अध्यक्ष रविकांत पटेल, पनियरा विधायक ज्ञानेंद्र सिंह, सदर विधायक जयमंगल कन्नौजिया, पूर्व विधायक चौधरी शिवेंद्र सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष परदेसी रविदास ने भी संबोधित किया।

इस दौरान अमरनाथ पटेल, सन्तोष सिंह, जितेंद्र पाल सिंह, प्रदीप सिंह, बबलू यादव, जिला मंत्री आशुतोष शुक्ला, बैजनाथ पटेल, सरोज पांडेय, बच्चू लाल चौरसिया, गौतम तिवारी, ठाकुर रैनियार, संजीव शुक्ला, अजय कुमार श्रीवास्तव, अंगद गुप्ता, अशोक तिवारी, जयप्रकाश, प्रदीप सिंह, राजीव द्विवेदी, सानन्दन पटेल, दिनेश जायसवाल, वीरेंद्र चौहान, जितेंद्र बहादुर सिंह, मुन्ना गौड़, कुर्सेद अंसारी, अभिषेक श्रीवास्तव, आकाश श्रीवास्तव, अरुणेश शुक्ल, प्रदीप उपाध्याय, राम हरख गुप्ता, देवेंद्र पांडेय, डॉ. आशीष मिश्र, कमलेश जायसवाल, फरीदा इरम, राकेश अग्रहरी, वीरेंद्र लोहिया, ओम प्रकाश वर्मा आदि मौजूद रहे।

बंद होंगे 105 मदरसे, दूसरे विद्यालय में समायोजित होंगे छात्र

संवाददाता–श्रावस्ती। जिले में मदरसा बोर्ड से संचालित 105 मदरसे बंद होंगे। उच्च न्यायालय ने यूपी मदरसा शिक्षा बोर्ड कानून 2004 को असंवैधानिक करार दे दिया है, इसके बाद इसमें पढ़ने वाले बच्चों को दूसरे विद्यालयों में समायोजित किया जाएगा। जिले में 297 मदरसे हैं। इनमें से बन्दिहवा, गुलरा व अनवारूल उलूम भिनगा अनुदानित हैं। जबकि 105 मदरसे मान्यता प्राप्त हैं। इन मदरसों की मान्यता उच्च न्यायालय के शुक्रवार के आदेश के बाद समाप्त हो सकती है। ऐसे में इन मदरसों में पढ़ने वाले करीब नौ हजार छात्र–छात्राओं का शिक्षण कार्य बाधित होगा। ऐसे में शिक्षा का अधिकार अधिनियम का उल्लंघन न हो।

इसके लिए इन बच्चों को आसपास के परिषदीय विद्यालयों में समायोजित किया जाएगा। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी देवेंद्र राम का कहना है कि यह शासन स्तर का मामला है। मिलने वाले आदेशों का अनुपालन किया जाएगा।

भारत–नेपाल सीमा पर तैनात जवानों ने खेली होली

संवाददाता–श्रावस्ती। भारत नेपाल सीमा पर 24 घंटे निगरानी करने वाले जवान त्योहारों में भी अपने घर से दूर रहते हैं। जवानों के हौसले को बढ़ाने के लिए नेपाल ।ब्ध और एसएसबी के जवानों ने सीमा चौकी सुईंया, सोनपथरी और गुज्जरगौरी में होली मिलन का आयोजन किया। इस मौके पर जवानों एवं उनके परिवार को रंगो के पर्व होली की शुभकामनाएं दी। जवानों ने फिल्मी गाने की धुन पर डांस कर एक दूसरे को रंग और गुलाल लगाया।

होली पर गुझियों व मिठाइयों का सजा बाजार

संवाददाता–देवरिया। होली पर गुझियों व मिठाइयों का बाजार सज गया है। इनके स्थानीय से लेकर बिहार की गुझिया भी बाजार में उपलब्ध हैं। त्यौहारी उपहार के दौर में मिठाईयों और ड्राई फ्रूट गिफ्ट से युक्त आकर्षक पैक ने भी बाजार में अपनी जगह बना लिया है। होली का त्योहार जिले भर में काफी उत्साह से मनाया जाता है। इस दिन का हर किसी को इंतजार रहता है। घरों में दो दिन पहले से ही होली की खास मिठाई गुझिया बननी शुरू हो जाती है। सदियों से परंपरा में यह मिठाई पीढ़ी दर पीढ़ी महिलाएं सीखती बनाती आ रही हैं। एक अकेली गुझिया ही ऐसी मिठाई है, जिसे घर मनाया जाता रहा है। बाजार की मिठाई दुकानों पर यह नहीं मिलती थी। समय के साथ इसमें अब परिवर्तन आ गया है। गांव में घर घर में बनाई जाने वाली गुझिया अब बाजार में चमकती दुकानों पर मिल रही है। शहर के नई बाजार, नई कालोनी, सिविल लाइन की कई दुकानों पर गुझिया मिल रही है। बड़े कारोबारी छोटे कारोबारियों से गुझिया खरीदकर अपने शोरूम में सजा चुके हैं। नई बाजार के मिठाई कारोबारी ओम प्रकाश मद्धेशिया बताते हैं कि गुझिया दो दिन पहले बनाई जाती है। इसका रेट बाजार में उपलब्ध कच्चे माल की दर के हिसाब से तय होता है। उन्होंने बताया कि इस साल खोवे से बनी गुझिया 400 रुपये प्रतिकिलो है। सूजी वाली गुझिया दो सौ रुपये प्रतिकिलो मिल रही है। मठरी 400 रुपये प्रतिकिलो की दर से मिल रही है। नई कालोनी में श्री स्वीट संसार के तरुण कुमार ने बताया कि गुझिया के साथ गिफ्ट पैक की भी खूब मांग है। काजू वाली गुझिया 1200 रुपये प्रति किलो, देसी घी वाली गुझिया 600 रुपये प्रति किलो, सामान्य गुझिया 400 रुपये प्रति किलो के भाव से बिक रही है। इसके अलावा खुरमा भी होली में बिक रहा है। गुड़ वाला खुरमा 240 रुपये प्रति किलो, चीनी खुरमा वाला खुरमा 200 रुपये प्रति किलो के भाव से मिल रहा है।

होली पर अपनों को उपहार देने के चलन ने बाजार में गिफ्ट पैक का महत्व बढ़ा दिया है। इसको देखते हुए दुकानदारों ने भी अनेक प्रकार के गिफ्ट पैक तैयार कर लिए हैं। इसमें ड्राई फ्रूट, ड्राई स्वीट और नमकीन समेत अनेक आइटम है। साइज और सामान के अनुसार इसकी कीमत 1500 रुपये से लेकर दो हजार रुपये तक है। होली पर पंरपरागत खाद्य पदार्थों की जगह नए नए खाद्य पदार्थों ने मीनू में जगह बनानी शुरू कर दिया है। गुझिया, मठरी से कुछ अलग बनाने की चाहत ने होली के मीनू को बढ़ाया है।

घरों में अब चाट, गुलाब जामुन, बाक्स चाट के अलावा इंटरनेट से सीखे गए विविध पकवान भी ड्राइंग रूम की शोभा बढ़ाने लगे हैं। मिठाईयों के साथ ही विविध प्रकार मौसमी फल भी अलग प्लेट में मेहमानों को परोसे जा रहे हैं। होली का पर्व मंगलवार को मनाया जाएगा। श्री विद्या धर्म संजीवन संस्कृत महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सिंहासन पांडेय के नेतृत्व में विद्वानों ने 26 मार्च को होली मनाए जाने का निर्णय लिया है। उन्होंने इसके लिए निर्णय सिंधु का हवाला देते हुए अपना मत दिया है। विद्वानों ने 25 मार्च को काशी में होली के अगले दिन अन्यत्र होली खेले जाने की परंपरा को देखते हुए भी 26 मार्च को होली मनाने की बात कही है। कमल नयन पांडेय, सदानंद मिश्र, श्रीनाथ द्विवेदी इसके समर्थन में अपना मत दिया है।

लोकसभा चुनाव को लेकर भारत–नेपाल के अधिकारियों ने की संयुक्त बैठक

संवाददाता–महराजगंज। लोकसभा चुनाव को लेकर सशस्त्र सीमा बल 66 वीं वाहिनी के बीओपी डंडा हेड परिसर मे नेपाल एपीएफ व भारतीय अधिकारियों के बीच बैठक हुई। इसमें बार्डर पर घुसपैठ रोकने व सुरक्षा संबंधी कई बिन्दुओं पर समन्वय बनाकर काम करने की सहमति बनी। सशस्त्र सीमा बल 66 वीं वाहिनी के डंडा हेड परिसर में नेपाल एपीएफ के एसपी आनंद थापा एवं सिविल विभाग के साथ संयुक्त समन्वय बैठक की गई। इसमें सीमा पर सतर्कता और सुदृढ़ सुरक्षा व्यवस्था बनाये रखने के लिए गतिविधियों को बढ़ाते हुए सुरक्षा व्यवस्था को बनाये रखना, एजेंसियों के साथ परस्पर एक–दूसरे के साथ खबर और सूचना साझा करना, संयुक्त गश्ती, चेकिंग एमसीपी द्वारा संयुक्त सघन जांच अभियान चलाने के सम्बन्ध में चर्चा हुई। सीमा पर होने वाली अवैध गतिविधियों, अवैध घुसपैठ, असमाजिक तत्वों एवं संदिग्ध व्यक्तियों पर निरन्तर निगरानी व अवैध तस्करी को रोकने के संदर्भ में गहनता से विमर्श हुआ। आने वाले लोकसभा चुनाव के बारे में बार्डर पर सुरक्षा के संदर्भ में चर्चा किया गया स नो मेंस लैंड पर अनावश्यक सामग्री का रख रखाव व रोकथाम, मिट्टी कटाव के मुद्दे पर चर्चा की गई स होली त्योहार पर दोनों देश के अधिकारियों ने एक दूसरे को रंग लगाया। मिठाई बांटी गई स इस मौके पर कमांडेंट जगदीश प्रसाद धाबाई, आनंद थापा एसपी नेपाल एपीएफ, पुरुषोत्तम भंडारी एसपी, तुलसी राम पाण्डेय एसपी रुपन्देही, मोहन नेउपाने डीएसपी, नंद प्रकाश मौर्य उपजिलाधिकारी नौतनवां, पंकज शाही तहसीलदार नौतनवां, सुदर्शन सिंह आईबी, एकके पटेल कस्टम, आदित्य कुमार शुक्ला एसनबीवी आदि मौजूद रहे।

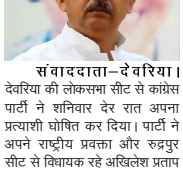

अखिलेश सिंह को कांग्रेस का लोकसभा टिकट

संवाददाता–देवरिया। देवरिया की लोकसभा सीट से कांग्रेस पार्टी ने शनिवार देर रात अपना प्रत्याशी घोषित कर दिया। पार्टी ने अपने राष्ट्रीय प्रवक्ता और रुद्रपुर सीट से विधायक रहे अखिलेश प्रताप सिंह को प्रत्याशी बनाया है। प्रधानमंत्री मोदी के नीतियों के मुखर विरोधी और कांग्रेस में गांधी परिवार के बेहद करीबी अखिलेश प्रताप सिंह की छवि जुझारू रही है। 2017 के चुनाव प्रचार में राहुल गांधी की पहली खाट सभा कराकर सुर्खियों में आए थे। अखिलेश सिंह इलाहाबाद विश्वविद्यालय से परास्नातक उत्तीर्ण कर कांग्रेस पार्टी से जुड़ गए।

लोकसभा का चुनाव लोकतंत्र और संविधान बचाने की लड़ाई का चुनाव - डा. मणिक लाल कश्यप

संवाददाता–बलरामपुर। रविवार को समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं का सम्मेलन हुआ। जिसकी अध्यक्षता जिलाध्यक्ष डॉ. मणिक लाल कश्यप ने की। सम्मेलन में पूर्व विधायक एवं संगठन प्रभारी राम सागर अकेला एवम पार्टी के प्रदेश सचिव ओमकार पटेल मौजूद रहे।

जिलाध्यक्ष डॉ माणिक लाल कश्यप ने कहा कि देश को हम समाजवादी लोग तभी खुशहाल मानेंगे जब हुजूर का बेटा और गरीब का बेटा एक स्कूल में पढ़ेगा।

आरएसएस की होली में उड़े रंग और गुलाल

संवाददाता–गोरखपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने रविवार को लालडिग्गी पार्क में फाल्गुन महोत्सव का आयोजन किया। सुबह 7:30 बजे से शुरू इस कार्यक्रम में स्वयंसेवकों ने जमकर अबीर गुलाल उड़ाए। एक दूसरे को रंग लगाकर गले मिलकर अग्रिम होली की बधाई दी। वहीं स्थानीय कलाकारों ने डीजे पर होली गीत गए। इस दौरान होली गीत पर नृत्य कर स्थानीय कलाकार ने सबका मन मोह लिया। सांस्कृतिक कार्यक्रम की समाप्ति पर बड़ी संख्या में महिलाओं ने एक दूसरे को रंग लगाया। रंगों में सराबोर और होली की उमंग और मस्ती में चूर महिलाएं डीजे की धुन पर थिरकती नजर आई। पूरा पार्क होलियाना रंग में रंग गया।

मरीज–तीमारदार न हों परेशान, होली पर बहाल रहेगी इमरजेंसी सेवा

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। होली त्योहार पर स्वास्थ्य को लेकर मरीज–तीमारदार बिल्कुल न परेशान हों। मेडिकल कॉलेज से लेकर ब्लॉक स्तरीय स्वास्थ्य केंद्रों पर इमरजेंसी सेवाएं बहाल रहेंगी। अगर किसी को इमरजेंसी सेवा की जरूरत है तो वह 108 डॉयल कर एंबुलेंस सेवा का लाभ उठा सकता है। इसके अलावा गर्भवती भी प्रसव संबंधी सेवा के लिए किसी भी प्रकार का रिस्क न लें। स्वास्थ्य केंद्रों पर प्रसव कक्ष में स्टॉफ मौजूद मिलेंगी और सेवा का आसानी से लाभ उठा सकेंगी। होली को लेकर स्वास्थ्य विभाग में छुट्टी कर दी गई है।

अधिकारर स्टॉफ अपने–अपने घर जा चुके हैं, लेकिन इमरजेंसी सेवा को पूर्व की भांति बहाल रखा गया है। किसी मरीज को अचानक समस्या होती है तो वह बिना देर किए जिला मुख्यालय से लेकर ब्लॉक स्तरीय स्वास्थ्य केंद्रों पर पहुंचकर चिकित्सकीय परामर्श ले सकते हैं।

झंगहा इलाके में अचेत हाल में मिली युवती

संवाददाता–गोरखपुर। झंगहा के कोल्हुआ के पास सड़क के किनारे खेत में संदिग्ध परिस्थितियों में 33 वर्षीय एक महिला अचेत हाल में मिली। ग्रामीणों की सूचना पर झंगहा पुलिस ने एम्बुलेंस से प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र ब्रह्मपुर पर पहुंचाया। महिला के बैग में मिले कागजात के आधार पर पुलिस ने उसके परिवारीजनों को सूचना दे दी है।

कोल्हुआ गांव के पास गेहूं के खेत में बेहोशी की हालत में पड़ी हुई थी गांव के लोगों ने इसकी सूचना चौकी प्रभारी नई बाजार अखिलेश त्रिपाठी को दिया। अखिलेश त्रिपाठी मय फोर्स व महिला पुलिस के साथ मौके पर पहुंचे और एम्बुलेंस मंगवाकर उसे प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र ब्रह्मपुर पर ले गए। सूचना पर झंगहा थाना प्रभारी सूरज सिंह पहुंचे और महिला के पास के हैंडबैग में मिले कागजात के आधार पर पुलिस ने उसके परिवारीजनों से सम्पर्क किया। पता चला कि महिला सिकरीगंज की रहने वाली है। उसके पिता कानपुर में पुलिस विभाग में कार्यरत थे अब रिटायर्ड हो चुके हैं और परिवार सहित कानपुर ही रहते हैं। परिजनों ने बताया कि कुछ दिन पूर्व कानपुर से सिकरीगंज इलाके में अपने पैतृक गांव आई थी। वह झंगहा इलाके में कैसे पहुंची इसकी जानकारी नहीं हो पाई है। प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र ब्रह्मपुर के डाक्टरों का कहना है कि महिला नशे की हालत में है।

मनमोहक है श्रीराम की बाललीला–रघुबीरदास

–9 दिवसीय संगीतमयी श्रीराम कथा

–भारतीय बस्ती संवाददाता– बस्ती । श्रीरामकथा मनमोहक, भवभयतारक व मर्यादापूर्वक मानव जीवन जीने का प्रधान साधन है। श्रीराम बाल्यावस्था से ही बड़े ही तेजस्वी थे। वे बाललीला से वे सबको आनंदित करते रहते थे। यह सद् विचार कथा व्यास रघुबीरदास ने नारायण सेवा संस्थान ट्रस्ट द्वारा आयोजित 9 दिवसीय संगीतमयी श्रीराम कथा दुबौलिया बाजार के राम विवाह मैदान में पांचवे दिन व्यक्त किया।

महात्मा जी ने कहा कि रामजी का यज्ञोपवीत संस्कार हुआ। इसके बाद गुरु आश्रम में उन्होंने अल्प समय में ही सभी कलाओं का ज्ञान प्राप्त कर लिया। उन्होंने नामकरण के बाद प्रभु के मनोहर बाल रूप का वर्णन किया। व्यास जी ने बताया कि प्रभु श्रीरामचन्द्र ने बाल क्रीड़ा की और समस्त नगर निवासियों को सुख दिया। कौशल्याजी कभी उन्हें गोद में लेकर हिलाती–डुलाती और कभी पालने में लिटाकर झुलाती थीं ।

प्रभु की बाल लीला का वर्णन करते हुए महात्मा जी ने कहा कि एक बार माता कौशल्या ने श्री रामचन्द्रजी को स्नान कराया और श्रृंगार करके पालने पर पौढ़ा दिया। फिर अपने कुल के इष्टदेव भगवान रंगनाथ की पूजा के लिए स्नान किया, पूजा करके नैवेद्य चढ़ाया और स्वयं वहां गई, जहां रसोई बनाई गई थी। फिर माता पूजा के स्थान पर लौट आईं और वहां आने पर पुत्र को भोजन करते देखा। माता भयभीत होकर पुत्र के पास गई, तो वहां बालक को सोया हुआ देखा। फिर देखा कि वही पुत्र वहां भोजन कर रहा है। उनके हृदय में कंपन होने लगा। वह सोचने लगी कि यहां और वहां मैंने दो बालक देखे। यह मेरी बुद्धि का भ्रम है या और कोई विशेष कारण है? प्रभु श्री रामचन्द्रजी माता को घबराया हुआ देखकर मधुर मुस्कान से हंस दिए फिर उन्होंने माता को अपना अखंड अद्भूत रूप दिखलाया, जिसके एक–एक रोम में करोड़ों ब्रह्माण्ड लगे हुए हैं (माता का) शरीर पुलकित हो गया, मुख से वचन नहीं निकलता। तब आँखें मूंदकर उसने रामचन्द्रजी के चरणों में सिर नवाया। माता को आश्चर्यचकित देखकर श्री रामजी फिर बाल रूप हो गए। श्रीराम की बाल लीला देखने के लिये भगवान शिव, काक भुसुण्डि के साथ ही अनेक देवी देवता, अयोध्या धाम पहुंचे और इसका सुख प्राप्त किया। श्रीराम कथा के पांचवे दिन कथा व्यास का विधि विधान से मुख्य यजमान संजीव सिंह ने पूजन किया। आयोजक बाबूराम सिंह, अनिल सिंह, सौरभ शास्त्री, डा. कृष्ण प्रसाद मिश्र, पतरू सिंह, जगदम्बा प्रसाद पाण्डेय, नन्दकिशोर पाण्डेय, सत्यनरायन द्विवेदी, अरूण सिंह, अजय सिंह, नीरज गुप्ता, मनोज गुप्ता, अनूप सिंह, जसवंत सिंह, चन्द्रभान गुप्ता, नीरज गुप्ता, हर्षित सिंह, आदित्य प्रताप सिंह, गणेश तिवारी, सुनील सिंह, रामू, राधेश्याम, विभा सिंह, इन्द्रपरी सिंह, दीक्षा सिंह, श्रद्धा सिंह, सोनू सिंह, शीला सिंह, महिमा सिंह, रागिनी सिंह के साथ ही बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक श्रीराम कथा में शामिल रहे।

होली पर पुलिस ने इनके चेहरे पर लाई मुस्कान, 13 लाख के 77 मोबाइल किया बरामद

संवाददाता–गोरखपुर। सीसीटीएनएस कार्यालय में नियुक्त कंप्यूटर ऑपरेटर की मदद से गोरखपुर की पुलिस ने लगभग 13 लाख रुपए की 77 मोबाइल को बरामद कर मोबाइल मालिकों को पुलिस अधीक्षक नगर कृष्ण कुमार बिश्नोई ने पुलिस लाइन व्हाइट हाउस सभागार में मोबाइल को सुपुर्द किया। होली से एक दिन पूर्व अपने खोए हुए मोबाइल को पाकर मोबाइल प्राप्त करने वाले मोबाइल मालिकों के चेहरों पर खुशी की झलक साफ दिखाई दे रही थी। मोबाइल प्राप्त करने वाले मोबाइल मालिकों ने गोरखपुर पुलिस की कोटि–कोटि सराहना करते हुए कहा कि नाउम्मीद को उम्मीद में बदलने वाली गोरखपुर पुलिस की जितनी प्रशंसा की जाए कम है।

भारत सरकार द्वारा सीईआईआर पोर्टल लॉन्च किया गया है इस पोर्टल के माध्यम से सीसीटीएनएस सेल द्वारा जांच प्रारंभ की गई गोरखपुर में अब तक विभिन्न चरणों में लगभग 29 लाख की 165 मोबाइल बरामद कर मोबाइल स्वामियों को गोरखपुर पुलिस द्वारा दिया जा चुका है आज 77 मोबाइल बरामद किए गए जिसमे सबसे अधिक कैंट , शाहपुर ,एम्स थाने के सीसीटीएनएस ऑपरेटर की मदद से सबसे अधिक मोबाइल बरामद किया गया जिसकी सराहना पुलिस अधीक्षक नगर कृष्ण बिश्नोई द्वारा किया गया की इसी तरह सीसीटीएनएस के ऑपरेटर अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए अपने कार्यों को निस्तारित करने का कार्य करें जिससे गोरखपुर पुलिस प्रदेश स्तर पर एक नंबर पर आ सके।

पुल से बालिका ने कुआनो में लगाई छलांग, मछुआरों ने बचाया

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले के महुली थाना क्षेत्र के मुखलिसपुर पुल से रविवार को ग्यारहवीं की एक छात्रा ने कुआनो नदी में छलांग लगा दी। आस पास मौजूद मछुआरों के अथक प्रयास के बाद उसे नदी से बाहर निकाल लिया गया। उपचार के लिए सीएचसी नाथनगर ले जाया गया। हालत में सुधार होने पर परिजन अपने साथ लेकर घर चले गए। बताया जा रहा है कि बालिका ने घर से किसी बात से नाराज होकर यह कठोर कदम उठाया था।

धनघटा थाना क्षेत्र के सेमरडांड़ी निवासी दुर्गेश गोंड की बेटी शन्नो (16) स्थानीय विद्यालय में 11वीं की छात्रा है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार रविवार को वह पैदल ही धनघटा–खलीलाबाद मार्ग पर स्थित मुखलिसपुर कुआनों के पुल पहुंची। अचानक पुल से नदी में छलांग लगा दिया। राहगीरों के शोर मचाने पर नदी में मछली पकड़ रहे मछुआरों को भनक लगी। बगैर देरी किए मछुआरों ने भी नदी में गोता लगा दिया। पानी में डूबने से मूर्छित हुई सन्नो को बाहर निकाला। आनन–फानन में उपचार के लिए सीएचसी नाथनगर लेकर पहुंचे। इस बीच किसी ने परिजनों को इसकी सूचना दी। सूचना मिलने पर परिजन भी सीएचसी पहुंच गए। उपचार के बाद हालत में सुधार होने पर सन्नो को परिजन अपने साथ घर लेकर चले गए।

अज्ञात कारणों से किराने की दुकान में लगी आग, लाखों रुपये का नुकसान

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले के महुली थाना क्षेत्र के ग्राम गिठनी तिराहे पर स्थित किराना दुकान में शनिवार देर रात्रि अज्ञात कारणों से आग लग गई। इसके चलते उसमें रखे साढ़े चार लाख रुपये से अधिक के सामान के अलावा नगदी भी जलकर नष्ट हो गई। इसकी जानकारी गांव के एक व्यक्ति ने दुकानदार को जानकारी दी। आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं हो सका। पुलिस को मामले की जानकारी दे दी गई है। छानबीन में जुट गई है।

क्षेत्र के गिठनी गांव निवासी विशाल प्रजापति पुत्र स्व. मोती लाल की स्थानीय तिराहे पर किराने की दुकान है। शनिवार देर शाम दुकान बंद करके घर चला गया। दुकानदार विशाल के अनुसार मध्य रात्रि को गांव के एक व्यक्ति द्वारा सूचना मिली कि दुकान में आग लगी है। मौके पर पहुंचा तो देखा कि शटर के नीचे से धुएं का गुबार निकल रहा है। लपटें उठ रही हैं। लोगों की मदद से शटर ताला तोड़ कर दुकान खोला गया। लेकिन विकराल आग के सामने आगे बढ़ने का साहस कोई नहीं कर पा रहा था।

दुकानदार विशाल प्रजापति के अनुसार दुकान में रखा लगभग साढ़े चार लाख रुपये के बिस्कुट, नमकीन, दाल सहित अन्य खाद्य सामग्री, काउन्टर के अलावा नगदी भी जलकर नष्ट हो गई है। दुकानदार ने बताया कि शनिवार को उसने कुछ सामान की खरीददारी करके दुकान में रखा था। वह भी आग लगने से जल गया। आग कैसे लगी इसकी जानकारी नहीं हो सकी। पुलिस को इसकी सूचना दे दी गई है। पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है।

लोकसभा क्षेत्र में कोई विधानसभा सीट आरक्षित नहीं

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। लोकसभा सीट का नाम है अंबेडकर नगर लेकिन इस सामान्य लोकसभा क्षेत्र की कोई भी विधानसभा सीट आरक्षित नहीं है। वहीं दूसरी ओर बुलंदशहर लोकसभा क्षेत्र अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित है। लोकसभा सीट का नाम है अंबेडकर नगर, मगर इस सामान्य लोकसभा क्षेत्र की कोई भी विधानसभा सीट आरक्षित नहीं है। वहीं दूसरी ओर बुलंदशहर लोकसभा क्षेत्र अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित है। मगर इस लोकसभा की पांचों विधानसभाएं अनारक्षित हैं। दरअसल यूपी के लोकसभा क्षेत्रों का सियासी, सामाजिक मिजाज भी अलग है। कुछ लोकसभा क्षेत्र ऐसे हैं जिनकी दो से तीन विधानसभा सीटें तक आरक्षित श्रेणी की हैं। जबकि 21 लोकसभा क्षेत्रों की कोई भी विधानसभा सीट आरक्षित नहीं है। लोकसभा चुनाव की रणभेरी बज चुकी है। यदि प्रदेश की 80 लोकसभा सीटों पर नजर डालें तो चुनावी लिहाज से प्रदेश की 17 सीटें आरक्षित हैं। इसके अलावा 59 लोकसभा सीटें ऐसी हैं जिनमें कम से कम एक विधानसभा सीट आरक्षित श्रेणी की है। जबकि चार लोकसभा क्षेत्रों की 3–3 और नौ लोकसभा क्षेत्रों की 2–2 विधानसभा सीटें अनुसूचित जाति या जनजाति के लिए आरक्षित हैं। जिन लोकसभा क्षेत्रों की कोई भी विधानसभा रिजर्व नहीं है, उनमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का निर्वाचन क्षेत्र वाराणसी और सीएम योगी आदित्यनाथ का जिला गोरखपुर भी शामिल है। भारतीय जनता पार्टी के केंद्र में काबिज होने में सबसे अहम भूमिका यूपी ने निभाई है। 2014 में भाजपा ने यूपी की 80 में से 71 सीटें जीती थीं। जबकि दो सीटें उसके सहयोगी अपना दल (एस) की झोली में गई थीं। वहीं 2019 के चुनाव में भाजपा को 62 और अपना दल (एस) की दो सीटों को मिलाकर कुल 62 सीटें जीतने में सफलता मिली थी। यदि बिना आरक्षित विधानसभाओं वाली लोकसभा सीटों की बात करें तो 2019 में इन 21 सीटों में से 19 भाजपा ने जीती थीं। सिर्फ अंबेडकर नगर और जौनपुर सीटें महागठबंधन के चलते बसपा की झोली में गई थीं। वहीं 2014 में यह सारी सीटें भाजपा की झोली में गई थीं।

रोडवेज बस और पिकअप की आमने–सामने की टक्कर, नौ घायल

संवाददाता–गोरखपुर। गगहा ब्लाक मुख्यालय के समीप फोरलेन पर रविवार को सवारियों से भरी दोहरीघाट डिपो की बस और पिकअप में आमने–सामने टक्कर हो गई। दुर्घटना में बस में सवार नौ से अधिक लोग घायल हो गए। दोहरीघाट डिपो की बस गोरखपुर जा रही थी। ब्लाक मुख्यालय के सामने बस पहुंची थी इसी दौरान सामने से आ रही पिकअप से टक्कर हो गई। दुर्घटना में एक तरफ दोनों वाहन क्षतिग्रस्त हो गए वहीं बस में सवार कुशीनगर के रवि प्रताप, रत्नेश, बिट्टू, बासगांव के अजय, महराजगंज के हेमंत, अभिनव, देवरिया के विशाल और पंकज, आजमगढ़ के आशुतोष मिश्रा सहित डेढ़ दर्जन लोग घायल हो गए। घटना के बाद ग्रामीणों की मदद से घायलों को अस्पताल भेजा गया। सीएचसी अधीक्षक बृजेश कुमार बर्नवाल ने बताया कि एक व्यक्ति को जिला अस्पताल भेजा गया है। बाकी प्राथमिक उपचार के बाद घर चले गए।

चार इंटर कॉलेजों के प्रधानाचार्यों को विधिक कार्रवाई की चेतावनी

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। यू–डायस पोर्टल पर विद्यालय, शिक्षक और छात्रों की प्रोफाइल अपलोड करने में जिले में स्कूलों की ओर से घोर लापरवाही बरती जा रही है। महानिदेशक, स्कूल शिक्षा के स्तर से नाराजगी जताने के बाद डीआईओएस ने चार विद्यालयों के संबंधित प्रधानाचार्यों को नोटिस दिया है। नोटिस में अविलंब डाटा फीडिंग न होने पर दो वर्ष का वार्षिक वेतन वृद्धि रोकते हुए विधिक कार्रवाई करने तक की चेतावनी दी है। जनपद में माध्यमिक शिक्षा विभाग के अधीन मान्यता प्राप्त स्कूलों की तरफ से यू–डायस पोर्टल पर डाटा अपलोड करने में गंभीरता नहीं बरती जा रही है। इसको गंभीरता से लेते हुए पोर्टल पर डाटा अपलोड नहीं करने वाले चार स्कूलों के विद्यालयों को नोटिस जारी कर पोर्टल पर मांगी गई सभी जानकारी तत्काल आपलोड करने के लिए कहा गया है। इनमें किसान इंटर कॉलेज उस्का बाजार, शिवपति इंटर कॉलेज शोहरतगढ़, पीपुल्स इंटर कॉलेज डुमरियागंज, राजेंद्र भारती इंटर कॉलेज बढ़नीचाफा शामिल हैं। भविष्य में प्रगति ठीक न होने पर दो वर्ष का वार्षिक वेतन वृद्धि रोकते हुए विधिक कार्रवाई करने तक की चेतावनी दी है। जिला विद्यालय निरीक्षक सोमारू प्रधान ने बताया कि यू–डायस पोर्टल पर डाटा अपलोड न करने के मामले में लापरवाह विद्यालयों के प्रधानाचार्यों को नोटिस जारी की गई है। उन्हें पोर्टल पर विद्यालय का ब्योरा अपलोड करने के लिए एक बार और अंतिम मौका दिया गया है। इसके बाद लापरवाही बरतने वाले विद्यालयों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।

हो सन्ना का गीत गाते मनाया पाम संडे

संवाददाता–गोरखपुर। प्रभु यीशु मसीह को क्रूस पर चढ़ाए जाने का दिन ष्गुड फ्राइडेष और पुनः जी उठने का दिन ष्ईस्टरष की तैयारी में मसीही विश्वासी जुट गए हैं। रविवार को पाम संडे के अवसर पर महानगर के सभी चर्चों में हर्षोउल्लास पूर्ण वातावरण में प्रार्थना सभा की गई। पुरोहितों के नेतृत्व में मसीही विश्वासी, बड़े बुजुर्ग, बच्चों के हाथों में सजी हुई खजूर की डालियां लिए हो सन्ना का गीत (होसन्ना का अर्थ है हमें पापों से बचा) गाते हुए चर्च में प्रवेश किया। इस पर्व को मनाने के लिए 14 फरवरी से मसीही समुदाय के लोगों द्वारा 40 दिन का उपवास प्रारंभ किया था। इस दौरान सोमवार से गुरुवार तक पैशन वीक के रूप में मनाया जाएगा। मसीही सेवक वीपी अलेक्जेंडर ने बताया 29 मार्च को गुड फ्राइडे और 31 मार्च को ईस्टर डे मनाया जाएगा।

विद्यालय प्रबंध समिति को दी जानकारियां

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले के खंड शिक्षा अधिकारी सेमरियावां आशीष कुमार सिंह ने कहा कि निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम के अंतर्गत विद्यालय प्रबंध समिति एसएमसी के रूप में विद्यालय प्रबंधन में समुदाय की भागीदारी को सुनिश्चित करने तथा बढ़ावा देने के लिए प्रावधान किया गया है। वे ब्लॉक सभागार में आयोजित एक दिवसीय एसएमसी कार्यशाला के समापन के अवसर पर सम्बोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा की निपुण भारत मिशन के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए माता पिता समुदाय और अभिभावकों को कार्यक्रम तथा योजनाओं से जोड़ने एवं जागरूक करने की जरूरत है। प्रशिक्षण के दौरान मास्टर ट्रेनर जफीर अली, जलालुद्दीन, फूल चंद,और असरारुल हक ने विद्यालय प्रबंध समिति की संरचना, गठन, कार्यकाल एवं इसके कार्य सहित बालिका शिक्षा, शारदा कार्यक्रम, समुदाय की भागीदारी, विद्यालय के सुंदरीकरण हेतु विद्यालय विकास योजना, निर्माण कार्य, खाता संचालन के कार्य एवं दायित्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस प्रशिक्षण ब्लॉक के सभी स्कूलों के प्रधानध्याक, सचिव, अध्यक्ष व उपाध्यक्ष ने भाग लिया।

अबीर–गुलाकर लगाकर फाग गीतों पर झूमे लोग

संवाददाता–संतकबीरनगर। संतकबीरनगर जिले में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने रविवार को जूनियर हाईस्कूल परिसर में होली मिलन समारोह का आयोजन किया। इस मौके पर जिला प्रचारक राजीव नयन ने अपने उद्बोधन में कहा कि खुशियों का पर्व होली भगवान और भक्त से जुड़ा है। लोगों ने एक दूसरे को अबीर गुलाल लगा बधाई दी। फाग गीतों की धुन पर लोग झूमते रहे।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने जूनियर हाई स्कूल में होली स्नेह मिलन समारोह का आयोजन किया। इस अवसर पर जिला प्रचारक राजीव नयन ने स्वयं सेवकों को होली के पर्व पर अपनी शुभकामनाएं दीं। कहा कि हिंदू धर्म में कई प्राचीन व्रत एवं त्योहार मनाए जाते हैं। जिनमें से होली को सबसे प्राचीन पर्व माना जाता है। खुशियों के इस त्यौहार का संबंध भगवान श्रीकृष्ण और भगवान विष्णु के भक्त प्रह्लाद से जुड़ा है। रंगो के इस पवित्र त्योहार को वसंत ऋतु का संदेशवाहक भी माना जाता है। होली पर्व के दिन देश भर में गुलाल और अबीर से रंगो की होली खेली जाती है। रंगोत्सव को हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। होली स्नेह मिलन के पूर्व संघ की प्रार्थना 'नमस्ते सदा वत्सले मातृभूमे से पूरा प्रांगण गूंज उठा। सेमरियावां खंड के खण्ड संघचालक सुरेन्द्र पाठक व राजेश पांडेय ने पारंपरिक होली गीत गाए। पुष्प,अबीर और गुलाल से जमकर होली खेली गई। होली स्नेह मिलन के इस समारोह में कार्यकर्ताओं का उत्साह चरम पर था। कार्यक्रम की समाप्ति पर स्वयंसेवकों ने अल्पाहार में गुझिया का आनंद उठाया। समारोह के दौरान जिला संघ चालक राम गोपाल, नगर संघ चालक राजकुमार, विभाग शारीरिक शिक्षण प्रमुख शैलेश, सह जिला कार्यवाह सौरभ, नगर कार्यवाह धर्मेंद्र, नगर सह कार्यवाह रणधीर, नगर प्रचारक प्रवीण, नगर समर्पक प्रमुख नरेंद्र पाठक, जिला सह व्यवस्था प्रमुख शशिकेश, जिला प्रचार प्रमुख दिग्विजय, जिला संपर्क प्रमुख संजय, सह जिला शारीरिक शिक्षण प्रमुख अनिल के साथ साथ सूरज, विवेक, अभिनव, मुक्तिनाथ, अमरपाल और जिले के जनप्रतिनिधियों के साथ–साथ समाज के सैकड़ों गणमान्य लोगों की उपस्थिति रही।

आपस में खुशियां बांटने का महीना है माह–ए–रमजान

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले के लोगों को सामाजिकता व मानवता को आइना दिखने वाला माह–ए–रमजान का तीस रोजा बहुत कुछ सीख दे रहा है। माह–ए–रमजान रमजान जहां एक ओर कई बीमारियों से छुटकारा दिलाता है वहीं जहन्नम से निजात दिलाता है। माह–ए–रमजान के बाद खुशियां मनाने व खुशियां बाटने का महीना भी कहा गया है। इस माह में अपने माल की सही जकात निकाल कर गरीब परिवार के चेहरे पर खुशियां बिखेरें। आल इंडिया उलेमा बोर्ड के प्रदेश अध्यक्ष मौलाना शोऐब अहमद नदवी ने कहा कि अल्लाह पाक ने इस माह को पांच नामों से पुकारा है। इस में एक नाम गरीबों में खुशियां बांटने का भी है। उन्होंने कहा कि गरीबों के चेहरे पर चमक तब आ सकती है जब हर मालदार व्यक्ति इस्लाम धर्म के तीसरे सबसे मजबूत स्तम्भ जकात को पूरी तरह से निकाल कर गरीबों तक पहुंचाए। उन्होंने बताया कि अल्लाह पाक ने तीसरे सबसे मजबूत स्तम्भ जकात की आदायगी का जिक्र कुरान पाक में 82 मर्तबा किया है। उन्होंने बताया कि हर मालदार व्यक्ति अपने धन का जकात निकाल दे तो ईद के दिन हर परिवार के बच्चे खुशियां मना सकते हैं। समाज के दबे–कुचले, यतीम व गरीब परिवार के हर बच्चे के पास नया कपड़ा होगा। उन्होंने बताया हर मालदार को चाहिए 20 रमजान तक जकात की आदायगी कर देना चाहिए।

मौलाना शोएब अहमद नदवी ने कहा कि अल्लाह पाक ने इस माह को अपना माह कहा है। इस माह की एबादत का शबाव अल्लाह पाक अपने हाथों से खुद देता है। उन्होंने बताया कि अल्लाह पाक ने इस माह को माह–ए–रमजान, माह–ए–सब्र यानी सब्र का महीना, माह–ए–मुआसात यानी भालाई का महीना, माह–ए–वसुअते रिज्क यानी कमाई में बरकत का महीना भी कहा गया है। उन्होंने बताया कि जकात देने से रोजी में बरकत होती है। साथ इस लोगों की भलाई व खुशी मिलती है। माह–ए–रमाज में नमाज, एबादत व जकात के साथ दिन भर भूखे प्यासे रह कर अल्लाह का राजी करने में लगे रहते हैं। अफतारी के समय फलों व कई प्रकार के व्यंजनों से अफतार की थाली का सजाते है। इस थाली में सब से अधिक तरबूज ही दिखाई देता है। रोजेदारों के लिए तरबूज सबसे पहली पसंद बन गया है। तरबूज हर अफतार की थाली में दिखाई पड़ जाता है। महगाई के चलते अनार, सेब, अनानास अन्य फल दूर हो गया है।

कब्र खोदकर निकाला गया विवाहिता का शव

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। ढेबरुआ थाना क्षेत्र क पकड़िहवा गांव में रविवार को पुलिस प्रशासन की मौजूदगी में कब्र खोदकर विवाहिता का शव निकाला गया। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

क्षेत्र के पकड़िहवा गांव निवासी शाहीन(36) पत्नी मंजूर अहमद की मौत 15 मार्च का संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। परिजनों का कहना था कि करंट लगने से मौत हुई है। ससुरालवालों में मायके वालों को सूचना देकर शव को उसी दिन उनकी मौजूदगी में दफन कर दिया था। मृतका का पति मंजूर अहमद चार दिन पहले मुंबई गया था। मृतका के घर पर जेठ, ससुर, सास व बच्चे ही थे। इसके बाद मृतका के पिता कठेला समय माता थाना क्षेत्र के कठेला गर्वी गांव निवासी अब्दुल हन्नान ढेबरुआ थाने में तहरीर देकर ससुरालियों में दहेज हत्या का आरोप लगाया। इसके बाद डीएम, एसपी को प्रार्थना पत्र देकर जांच कर कार्रवाई की मांग की। रविवार को एसडीएम कर्मेन्द्र व सीओ दरवेश कुमार ने पुलिस टीम के साथ पहुंच कर कब्र खोदकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सीओ दरवेश कुमार ने कहा कि शव कब्र से निकाल कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मामले की जांच की जा रही है। रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

दैनिक
भारतीय बस्ती
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com